राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय
सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत
सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार,18जुन2020 वर्ष-2, अंक -105 पृष्ठ-04 मूल्य-01रूपये
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर में भाजपा सरकार पर संकट, 3 विधायकों नेइस्तीफा दिया

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपानीत सरकार तीन विधायकों के इस्तीफे के बाद अल्पमत में आ गई है। बताया जाता है कि छह अन्य विधायकों ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी है।

समर्थन वापसी की घोषणा करने वालों में नेशनल पीपुल्स पार्टी के चार विधायक जिनमें से तीन मंत्री हैं तृणमूल कांग्रेस के एकमात्र विधायक तथा एक निर्दलीय विधायक शामिल हैं।

इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद मणिपुर की सरकार अल्पमत में आ गई है और उसके गिरना तय हो गया है।

2017 में विधानसभा चुनाव के समय सदस्य विधान सभा में कांग्रेस 28 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी

किंतु भाजपा ने 21 विधायकों के साथ सरकार बनाने में सफलता

हासिल कर ली। उस वक्त राज्यपाल नजमा हेपतुल्ला ने आश्चर्यजनक रूप से भाजपा को सरकार बनाने का आमंत्रण दिया और नागा पीपुल्स फ्रंट, नेशनल पीपुल्स पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी और तृणमूल कांग्रेस तथा निर्दलीय के सहयोग से भाजपा सरकार बनाने में कामयाब रही। अब सभी सहयोगी दलों ने भाजपा से समर्थन वापसी की घोषणा कर दी है। उधर भाजपा के तीन विधायक भी इस्तीफा दे चुके हैं।

ऐसी स्थिति में सदन में कुल 57 विधायक रह गए हैं और बहुमत के लिए 29 विधायक की आवश्यकता है जो कि भाजपा के पास नहीं है।

झड़प में संतोष बाबू की शहादत पर बोले माता-पिता- हम गहरे सदमें में, शुरुआत में नहीं हुआ विश्वास

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच सोमवार रात हुई हिंसक झड़प में शहीद होने वाले कर्नल बी. संतोष बाबू के माता-पिता गहरे सदमें में हैं। उन्होंने कहा कि जब बेटे की शहादत की खबर मिली, तब शुरुआत में किसी को विश्वास तक नहीं हुआ। तेलंगाना के सूर्यपत जिले के निवासी कर्नल संतोष बाबू के माता-पिता ने कहा, 'पहले तो हमें विश्वास नहीं हुआ, लेकिन बाद में उच्च अधिकारियों ने हमें बताया कि क्या हुआ है। हम गहरे सदमे में हैं। हमारे बेटे को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।' बैंक से रिटायर हो चुके कर्नल संतोष बाबू के पिता बी. उपेंद्र ने कहा कि वह हमेशा से ही सेना में जाना चाहता था। उन्होंने कहा, 'मैं सेना में शामिल होकर देश की सेवा नहीं कर सका। इस वजह से मैं अपने बेटे को सेना में भर्ती कराना चाहता था।' वहीं, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कर्नल बाबू की शहादत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, 'कर्नल संतोष ने राष्ट्र के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। उनके परिवार का सरकार जितना हो सकेगा, उतनी मदद करेगी।' बता दें कि शहीद कर्नल बी. संतोष बाबू सोमवार को चीनी पक्ष से हुई बातचीत का नेतृत्व कर रहे थे, लेकिन सोमवार को देर रात हुई हिंसा में वह शहीद हो गए। वह 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग अफसर भी थे। इससे पूर्व भी वह तनाव कम करने को लेकर हुई कई बैठकों का नेतृत्व कर चुके थे।

कोरोना वायरस से एक दिन में 2003 मौतें

● 10974 नए मामलों के साथ कुल मरीज साढ़े तीन लाख पार

नई दिल्ली

कोरोना वायरस ने देश में कहर मचा रखा है। पिछले 24 घंटे में दो हजार से ज्यादा मौतें हुई हैं, जोकि अब तक सबसे अधिक हैं। वहीं, कोविड-19 से संक्रमित होने वाले कुल मरीजों की संख्या बुधवार को साढ़े तीन लाख के पार पहुंच गई। हालांकि, आधे से ज्यादा मरीज ठीक हो चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस से एक दिन में 2003 जानें गई हैं, जबकि 10,974 नए मामले सामने आए हैं। मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 3,54,065 हो गई। इसमें से 1,55,227 सक्रिय मरीज हैं और 1,86,935 लोग ठीक हो चुके हैं।

कोरोना महामारी ने सबसे ज्यादा महाराष्ट्र को प्रभावित किया है। राज्य में 1,13,445 कुल

मामलों की संख्या पहुंच चुकी है, जबकि 50057 सक्रिय मरीज हैं। इसके अलावा 57851 लोग ठीक हो चुके हैं और 5537 लोगों की जान गई है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना मरीजों का कुल आंकड़ा 44,688 हो चुका है, जिसमें से 26351 एक्टिव मरीज हैं। इसके अलावा 16,500 मरीज ठीक हो चुके हैं और 1837 लोगों की जान गई है। तमिलनाडु में भी कोरोना ने काफी कहर बरपाया है। राज्य में मरीजों की कुल संख्या 48019 पहुंच चुकी है। इसमें से 20709 सक्रिय मरीज हैं, जबकि 26782 लोग ठीक हो चुके हैं। राज्य में 528 लोगों की जान गई है। उत्तर प्रदेश में कोविड-19 से संक्रमित हुए मरीजों की संख्या 14091 हो गई है, जिसमें 5064 सक्रिय और 8610 ठीक हो चुके मरीज शामिल हैं। राज्य में अभी तक 417 लोगों ने जान गंवाई है।

पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों संग बातचीत

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार कोरोना वायरस को लेकर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि हमारी इतनी जनसंख्या होने के बावजूद, कोरोना वैसा विनाशकारी प्रभाव नहीं दिखा पाया, जो उसने दूसरे देशों में दिखाया है। दुनिया के बड़े-बड़े विशेषज्ञ भारत के लोगों द्वारा दिखाए गए अनुशासन की चर्चा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथबैठक में कहा कि हमारी लड़ाई प्रभावी रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस से एक दिन में 2003 जानें गई हैं, जबकि 10,974 नए मामले सामने आए हैं। मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 3,54,065 हो गई।

भारत-चीन खूनी संघर्ष

राहुल गांधी बोले, हमारे जवानों को मारने की चीन की हिम्मत कैसे हुई

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में सोमवार रात को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और भारतीय सेना के बीच हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवानों पर शहदत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि चीन की हमारे सैनिकों को मारने की हिम्मत कैसे की? उन्होंने ट्वीट कर इस मामले में पीएम नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने ट्वीट करके कहा कि पीएम चुप क्यों हैं? वह क्यों छुप रहे हैं? अब बहुत हो गया है। हमें यह जानना चाहते कि क्या हुआ है। चीन ने हमारे सैनिकों को मारने की हिम्मत कैसे की? हमारी जमीन लेने की उनकी हिम्मत कैसे हुई? भारतीय सेना ने मंगलवार रात को जारी बयान में कहा, 'संघर्ष वाली जगह पर बुरी तरह घायल होने और शून्य से नीचे के तापमान की वजह से 17 घायल जवान शहीद हो गए, जिससे अब तक संघर्ष में शहीद होने वाले कुल जवानों की संख्या 20 हो गई।' सेना ने कहा कि भारतीय और चीनी सेना में उस जगह झड़प हो गई, जहां दोनों सेनाएं 15 और 16 जून को आमने-सामने आ गए थे। झड़प की जगह पर चीनी सेना ने भारतीय सेना की छोटी टुकड़ी पर हमला किया जो कि उस समय गश्त पर थे। इसमें कमांडिंग आफिसर के साथ ही कई जवान शहीद हो गए और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों देशों की सेना ने और बल मंगा लिए जिससे हिंसक झड़प देर रात तक बढ़ती चली गई। झड़प के दौरान कई भारतीय सैनिक लापता हो गए। मंगलवार की सुबह भारतीय और चीनी सेना के अधिकारी ने मामले को शांत करने की पहल की और मीटिंग का आह्वान किया।

दिल्ली में कोरोना पर सरकार ने कसी कमर, 110 टीमें रोज जुटाएंगी 11 हजार सैंपल

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए सरकार जांच का दायरा बढ़ाने की तैयारी में जुटी है, जिससे संक्रमितों को चिह्नित कर उन्हें आइसोलेट किया जा सके। इसके लिए सरकार ने पूरी दिल्ली में 110 मेडिकल जांच टीम उतारने की योजना बनाई है। यह टीम रोजाना 11 हजार के करीब सैंपल एकत्रित करेगी। दिल्ली सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर 20 जून तक हर रोज 18 हजार जांच करने का लक्ष्य रखा है। दिल्ली में कुल 11 जिले है। टीम की जिलावार तैनाती होगी। हर जिले में 10-10 मेडिकल जांच टीम उतारी जाएगी। प्रत्येक टीम रोजाना 100 सैंपल एकत्रित कर लैब में जांच के लिए भेजेगी। सभी जिलाधिकारियों और मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारियों (सीडीएमओ) को टीम तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उनसे 20 जून से पहले टीम तैयार करके काम शुरू करने को कहा गया है।

संदिग्ध मरीजों की जांच होगी

दिल्ली में बीते कुछ समय से मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने के कारण काटेक्ट ट्रेसिंग करके उन्हें आइसोलेट करने में दिक्कत आ रही है। अब सरकार अधिक मेडिकल टीम उतारने के साथ ही मरीज के संपर्क में आने वाले संदिग्ध मरीजों की जांच में तेजी लाएगी। यह टीम इस काम में लगाई जाएगी, जिससे संक्रमण आगे ना फैल सके। हालांकि, डीएम और सीडीएओ तय करेंगे, किसका और कहां से सैंपल लिया जाएगा।

कंटेनमेंट जोन में एंटीजन टेस्ट

आईसीएमआर के सुझाव पर दिल्ली सरकार कंटेनमेंट जोन में एंटीजन टेस्ट कराएगी। इस टेस्ट की लागत और रिपोर्ट आने का समय कम है। किट 450 रुपये में उपलब्ध है, जिसकी जांच रिपोर्ट आने में 15 से 30 मिनट का समय लगता है। वैसे कंटेनमेंट जोन जहां तेजी से मामले बढ़ रहे हैं वहां घर-घर जाकर सरकार यह टेस्ट कराएगी। दिल्ली में अभी 242 से अधिक कंटेनमेंट जोन हैं। वहां पर डोर टू डोर सर्वे करने के लिए कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। अगर किसी में लक्षण है और एंटीजन टेस्ट में रिपोर्ट निगेटिव आती है, तो आरटी पीसीआर जांच होगी।

भारत-चीन खूनी संघर्ष

20 दिन पहले पैदा हुई बेटी का चेहरा देखे बिना देश के लिए शहीद हुए बिहार के कुंदन

भोजपुर। बिहार के भोजपुर का एक वीर सपूत देश की रक्षा करते चीन के हमले में शहीद हो गया। शहीद जवान मूल रूप से जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के पहरपुर गांव के रहने वाले रविशंकर ओझा के 28 वर्षीय पुत्र कुंदन ओझा थे। उनका परिवार करीब तीस साल से झारखंड राज्य के साहेबगज में रह रहा है। वहीं मंगलवार की शाम बेटे की शहादत की खबर मिलते ही गांव का माहौल गमगीन हो उठा। वहीं कुंदन के पैतृक घर में भी कोहराम मच गया। कुंदन अपने पहले बच्चे को देखने से पहले ही शहीद हो गए। इससे गांव व घर के लोग काफी मर्माहत हैं। बताया जाता है कि किसान रविशंकर ओझा के पुत्र कुंदन ओझा की करीब दस साल पहले नौकरी लगी थी। महज दो साल पहले उनकी शादी हुई थी और बीस रोज पहले बच्ची हुई थी। घर में पहली बेटी होने को लेकर काफी खुशी थी। जानकारी के अनुसार कुंदन ओझा तीन भाइयों में मांझिल थे। इनमें कमाने वाले सिर्फ कुंदन ही थे। उनके चाचा धर्मनाथ ओझा आरा में वकील हैं। ग्रामीण प्रवीण रंजन ओझा उर्फ पिंटू ओझा बताते हैं इनके परिवार के लोग तीस वर्ष पहले से ही झारखंड राज्य के साहेबगंज जिले के बिहारी ग्राम में रहते है। कुंदन व उनके परिवार के लोग शादी-विवाह सहित अन्य फंक्शन में गांव आते रहते हैं।

साहेबगंज जिले के डिहारी ग्राम के निवासी थे जवान

● **परिजनों ने बताया कि शहीद जवान के ससुर दिल्ली में नौकरी में हैं। उनकी सास घर पर रह रही हैं। दामाद के शहीद होने की सूचना मिलते ही ससुराल में कोहराम मच गया। परिवार के चाचा विवेक कुमार दूबे ने बताया कि नेहा तीन बहनें हैं। बड़ी बहन निधि और छोटी निशा है। दो भाई हेमंत और लक्की है। घर पर जवान की सास पुतुल देवी एवं दादा सुरेन्द्र दूबे व दादी मनोरमा देवी हैं। शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचने पर सभी सदस्य डिहारी जाएंगे। पड़ोसी ने बताया कि एक वर्ष पहले वे ससुराल आए थे। काफी मिलनसार प्रवृत्ति के थे। जब भी आते थे, सभी से मिलते-जुलते थे।**

लद्दाख में 20 सैनिकों की शहादत के बाद पीएम मोदी ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन की सीमा पर उत्पन्न मौजूदा हालात पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में स्थिति पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून को शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष इस बैठक में शामिल होंगे। पूर्वी लद्दाख में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पीएलए और भारतीय सेना के बीच हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। वहीं, बड़ी संख्या में चीनी सैनिक भी मारे गए। सैनिकों की शहादत के बाद कई दलों ने पीएम मोदी ने सवाल पूछे थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि चीन ने हमारे सैनिकों को मारने की हिम्मत कैसे की उन्होंने ट्वीट कर पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए थे। राहुल गांधी ने ट्वीट करके कहा था कि पीएम चुप क्यों हैं अब बहुत हो गया है। हमें यह जानना चाहते कि क्या हुआ है। चीन ने हमारे सैनिकों को मारने की हिम्मत कैसे की? हमारी जमीन लेने की उनकी हिम्मत कैसे हुई

इसके अलावा कांग्रेस की मह. ासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामने आएं क्योंकि देश की संप्रभुता खतरे में है। उन्होंने यह भी कहा कि अब चीन का सामना करने का वक्त आ गया है। प्रियंका ने कहा कि हमारी भ ारती मां, हमारी संप्रभुता खतरे में है। हमारे जवान शहीद हो रहे हैं। क्या हम चुप बैठे रहेंगे लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक घटना को लेकर झड़प में चीन के सैनिकों को ज्यादा नुकसान हुआ है। एजेंसी के अनुसार, कमांडिंग अफसर समेत 40 से अधिक चीनी सैनिक मारे गए थे। भारतीय सेना ने मंगलवार रात को बयान जारी कर कहा कि संघर्ष वाली जगह पर बुरी तरह घायल होने और शून्य से नीचे के तापमान की वजह से 17 घायल जवान शहीद हो गए, जिससे अब तक संघर्ष में शहीद होने वाले कुल जवानों की संख्या 20 हो गई है। इसके अलावा झड़प में घायल हुए चार सैनिक गंभीर हैं और उनका इलाज चल रहा है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

झड़प से सबक

भारत-चीन सीमा पर सैनिकों का शहीद होना जितना दुखद है, उतना ही चिंताजनक है। जिसकी आशंका पिछले दिनों से लगातार बन रही थी, वही हुआ। अब दोनों ही देशों को ऐसे विवाद से बचने और तनाव को आगे बढ़ने से रोकने के हरसंभव प्रयास करने चाहिए। जो भी सैनिक इस टकराव में मारे गए हैं, उनके शव गिनने की बजाय दोनों ही देशों को अपनी उन विफलताओं को गिनना चाहिए, जिनकी वजह से सीमा पर तनाव बढ़ता जा रहा है। सन 1975 के बाद पहली बार भारत-चीन सीमा पर झड़प की वजह से सैनिक शहीद हुए हैं। 45 साल से जो सामरिक समझदारी दोनों देशों के बीच बनी हुई थी, उसे घुटने टेकते देखना कुछ ही समय की बात या एक हादसा भर होना चाहिए। जब दोनों देश गलवान घाटी में पीछे हटने पर सहमत थे, तब ऐसा क्यों हुआ? इसकी ईमानदार पड़ताल सेना और विदेश मंत्रालय के उच्चाधिकारियों को करनी चाहिए। उच्च स्तर पर अगर पहले ही पहल होती, तो शायद सीमा विवाद इस ऐतिहासिक दाग तक नहीं पहुंचता। दोनों देश 1962 की बड़ी लड़ाई के बाद 1967 और 1975 में भी सीमित झड़पें देख चुके हैं। झड़प के उस दौर में नहीं लौटना ही समझदारी है। जाहिर है, विदेश मंत्री की जिम्मेदारी सर्वाधिक बढ़ी है। काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि चीन का रवैया कैसा रहता है? चीन में ऐसे तत्व होंगे, जो 45 साल बाद हुई हिंसा पर भड़केंगे। भारत के प्रति उनका लहजा बिगड़ेगा। संभव है कि भारत की ओर से भी बयानबाजी हो, लेकिन कुल मिलाकर, दोनों की समझदारी इसी में है कि आधिकारिक स्तर पर दोनों देश संयम से काम लें। भारत सरकार की आधिकारिक नीति रही है कि हमें किसी से जमीन नहीं चाहिए, हम भलमनसाहत में जमीन छोड़ने के लिए जाने जाते हैं, जमीन हड़पने के लिए नहीं। जबकि हमारे कुछ पड़ोसियों की नीति हमसे उलट है। उनकी रणनीति भी रहती है कि भारत को उलझाए रखा जाए, निश्चिंत न होने दिया जाए। भारत में अगर पूरी शांति हो जाएगी, तो यहां संपन्नता निखर उठेगी। कभी चीन की जमीन पर भारत ने दावा नहीं किया और न चीन के मामलों में कभी पड़ा है। यह बात बेशक चुभती है कि चीन के विकास में भारत की जो परोक्ष भूमिका है, उसे चीन ने कभी नहीं माना है। अब समय आ गया है कि भारत बार-बार अपनी भूमिका का एहसास कराए। हमें सीमा पर तनाव की जड़ों को उखाड़ फेंकने की ओर बढ़ना होगा। चीन ने लगभग हरेक पड़ोसी के साथ अपने सीमा विवाद सुलझा लिए हैं, जबकि भारत के साथ लगती विशाल सीमा को वह बिजली के तार की तरह खुली रखना चाहता है। सीमा विवाद को सुलझा लेने में उसे अपना कोई हित नहीं दिखता है। यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह चीन को बार-बार एहसास कराए। भारत एक उदार देश है। अपनी मर्जी थोपने की बीजिंग की कोशिश 1962 में भले चल गई थी, लेकिन अब नहीं चलेगी। भारत की ताकत को लगभग पूरी दुनिया मान रही है, तो चीन को भी विचार करना चाहिए। भारत का अपना विशाल आर्थिक वजूद है, जिससे चीन विशेष रूप से लाभान्वित होता रहा है। साथ ही, चीनियों को भारत में अपनी बिगड़ती छवि की भी चिंता करनी चाहिए। गलवान घाटी की झड़प से सबक लेते हुए हमें संवाद के रास्ते सहज संबंधों की ओर बढ़ना होगा।

आज के ट्वीट

एक जूट

सेना के शहीद जवानो का राजनीतिकरण कर सियासी रोटी संकने की कोशिश करना नैतिक नहीं है। चीन और भारत के तनाव कि स्तिथि में हमे एक जूट होने की जरुरत है । भारत पहले, पार्टी राजनीति बाद में ।

-- बजरंग पूनिया

इस जंग में टीम इंडिया की भावना जरूरी

राजकुमार सिंह

कोरोना नामक अभूतपूर्व महामारी है तो विश्वव्यापी संकट, लेकिन इसने भारतीय समाज और सरकारी तंत्र, दोनों की ही कमजोरियों को बेनकाब कर दिया है। सामान्य समझ भी कहती है कि संकटकाल में कमजोरियां गिनाने के बजाय उन्हें दूर करने पर फोकस रहना चाहिए, पर दूर करने से पहले कमजोरियों की पहचान-अहसास होना भी जरूरी है। 22 मार्च को जनता कर्फ्यू और फिर 25 मार्च से लॉकडाउन को लगभग तीन महीने पूरे होने वाले हैं, लेकिन कोई दावे से नहीं कह सकता कि इन कवायदों से घोषित-वांछित लक्ष्य हासिल हो पाये हैं। रविवार को एक दिन के जनता कर्फ्यू का घोषित मकसद यही था कि कोरोना का संक्रमण रोकने में मदद मिलेगी। 25 मार्च से 21 दिन के लॉकडाउन का तर्क भी यही था कि इससे कोरोना संक्रमण की चेन टूट जायेगी। बाद में यह लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ता गया। सच तो यह है कि अनलॉक की प्रक्रिया के बीच भी लॉकडाउन किसी न किसी रूप में जारी ही है, लेकिन कोरोना संक्रमण की चेन है कि टूटने के बजाय दिनोंदिन भयावह रूप से मजबूत-अटूट बनती जा रही है। इतने लंबे लॉकडाउन के बावजूद कोरोना पर नियंत्रण में कामयाबी क्यों नहीं मिली—इस स्वाभाविक सवाल का जवाब कोई नहीं देना चाहता। हां, सरकारी सूत्र और एजेंसियां आंकड़ों की बाजीगरी के जरिये यह अवश्य साबित करना चाहती हैं कि लॉकडाउन से संक्रमण की रफ्तार थामने और कोरोना से लंबी चलने वाली लड़ाई की व्यापक तैयारियों के लिए समय मिल गया। दरअसल यह दावा अर्धसत्य ही है। लॉकडाउन के 21 दिन के पहले चरण की बाबत तो संक्रमण की रफ्तार थामने की बात किसी हद तक सही भी है, लेकिन उसके बाद देश भर के तमाम हिस्सों में प्रवासी मजदूरों के पलायन समेत अफरा-तफरी का जैसा माहौल दिखा, वह सच बयान करने के लिए काफी है। हालांकि कभी मध्य प्रदेश में सरकार गिराने में व्यस्तता के चलते लॉकडाउन में विलंब का आरोप लगाने वाली कांग्रेस अब प्रवासी मजदूरों को उनके मूल निवास को भेजे बिना लॉकडाउन को जल्दबाजी में उठाया गया कदम बता कर खुद ही विरोधाभासी बयानबाजी कर रही है, लेकिन संक्रमण के आंकड़े भी यही संकेत दे रहे हैं कि लॉकडाउन के बीच प्रवासी मजदूरों के पलायन और उन्हें भेजे जाने के सरकारी प्रयासों के बजाय पहले ही ऐसा करना हर दृष्टि से बेहतर होता। लॉकडाउन से पहले कोरोना के पॉजिटिव केस गिनती भर थे, जबकि तीसरे-चौथे चरण में हजारों में तो अनलॉक की प्रक्रिया के बीच अब तीन लाख से भी ऊपर पहुंच गये हैं। जाहिर है, सरकार से कोरोना संकट के आकलन में चूक हुई। यह अस्वाभाविक भी नहीं मानी जा सकती। यह अभूतपूर्व संकट था, जिसका आकलन करने के लिए राजनीतिक नेतृत्व पूरी तरह चिकित्सा विशेषज्ञों की समझ और सलाह पर निर्भर रहा। क्योंकि मौजूदा आबादी की स्मृति में ऐसा महामारी संकट था ही नहीं, इसलिए ये विशेषज्ञ भी उपलब्ध अध्ययनों और दूसरे देशों के अनुभवों पर ही निर्भर रहे होंगे। मास्क के इस्तेमाल को लेकर ही इन विशेषज्ञों की सलाह जिस तरह बार-बार बदलती रही, उससे भी वास्तविकता का पता चल ही जाता है। इसके बावजूद कोरोना से जंग में वियतनाम, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड सरीखे देशों का बेहतर प्रदर्शन बताता है कि समय रहते जरूरी कदम उठा कर भारत इस महामारी की मार से बचने में ज्यादा सफल हो सकता था। हमारी सरकार 30 जनवरी को भारत में पहला कोरोना केस आने के बाद से ही एयरपोर्ट्स पर स्क्रीनिंग सरीखे कदम उठाने का दावा कर रही है, जिस पर स्पेन समेत संक्रमित देशों के पर्यटकों तथा बड़ी संख्या में संक्रमित प्रवासी भारतीयों का आ जाना सवालिया निशान लगाने के लिए काफी है। यह स्वाभाविक सवाल भी अनुत्तरित ही है कि हम अपने देश में पहला कोरोना केस आने का इंतजार क्यों करते रहे? वियतनाम और दक्षिण कोरिया की तरह हमने विदेशों में कोरोना संक्रमण के साथ ही हवाई और समुद्री यात्राओं को प्रतिबंधित नहीं तो नियंत्रित क्यों नहीं किया? कटु सत्य यही है कि बिना सुविचारित दीर्घकालीन रणनीति बनाये सिर्फ लॉकडाउन को रामबाण मान लेने से कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण में वांछित सफलता नहीं मिल पायी। बेशक ऐसे अभूतपूर्व संकट के लिए न तो हमारा सरकारी तंत्र तैयार था और न ही समाज। लॉकडाउन को धता बताकर जिस तरह पढ़े-लिखे युवा भी मौज-मस्ती के लिए सड़कों पर नजर आये, वह ऐसे संकट के मद्देनजर किसी सजग समाज की निशानी तो हरगिज नहीं है। कोरोना संकट ने भारतीय स्वास्थ्य तंत्र की भी कलई खोल कर रख दी है। दुनिया की महाशक्ति बन सकने के सपने दिखाये जाते हैं, पर हकीकत यह है कि दूरदराज तो छोड़िए, देश की राजधानी दिल्ली और वाणिज्यिक राजधानी मुंबई तक में कोरोना सरीखी महामारी के वक्त इलाज के लिए अस्पतालों में जरूरी बेड, आईसीयू और वेंटिलेटर तक उपलब्ध नहीं हैं। सरकारी छूट और सुविधाओं से ही हैल्थ केअर के नाम पर पनपे निजी क्षेत्र ने चिकित्सा को भी किस तरह बेरहम व्यापार बना दिया है, कोरोना काल में इसका भी खुलासा हो गया। इस शर्मनाक सच ने राजनीतिक पहचान से इतर स्वतंत्र भारत के राजनीतिक नेतृत्व और शासन तंत्र की संवेदनशीलता और विकास प्राथमिकताओं पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। इस सच को स्वीकार करने का साहस अभी तक हमारे राजनीतिक नेतृत्व और शासन तंत्र ने नहीं दिखाया है कि बेलगाम आबादी हर समस्या की तरह कोरोना संकट को भी भयावह बनाने में बड़ा कारक साबित हो रही है। यह हमारे संपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र की सामूहिक विफलता है, जो देश के प्रति अपराध से कम गंभीर नहीं । जाहिर है, समय के चक्र को उलटा नहीं घुमाया जा सकता, लेकिन ऐसी गलतियों से सबक अवश्य सीखे जाने चाहिए, पर हम उसके लिए भी तैयार नहीं दिखते। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच दलगत राजनीति के आधार पर आरोप-प्रत्यारोप का खेल तो लॉकडाउन के दौरान ही शुरू हो गया था, अनलॉक प्रक्रिया में वह और भी खुल कर सामने आ गया है।यह सही है कि स्वास्थ्य मूलतः राज्य के अधिकार क्षेत्र का मामला है, पर संकटकाल में तो केंद्र-राज्य सरकार को एक-दूसरे पर दोषारोपण के बजाय संयुक्त और समन्वित प्रयास करने चाहिए। विडंबना यही है कि हाल तक ऐसा होता दिखा नहीं। वर्ष 2014 में अप्रत्याशित रूप से पूर्ण बहुमत हासिल कर प्रधानमंत्री बनने पर नरेंद्र मोदी ने सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर देश के सर्वांगीण विकास के लिए टीम इंडिया की तरह काम करने की बात कही थी, लेकिन कोरोना संकट में वह टीम एकजुट होकर काम करने के बजाय आपस में ही उलझती नजर आयी। सर्वोच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियों के बाद दिल्ली में अवश्य केंद्र और राज्य सरकार के बीच कुछ तालमेल दिख रहा है, वरना तो इस संकटकाल में भी राजनीतिक दल अपनी चुनावी बिसात बिछाने से बाज नहीं आ रहे। कोरोना संकटकाल में ज्यादातर नदारद ही रहे राजनेता अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वर्चुअल रैलियों के जरिये अपने-अपने राजनीतिक एजेंडे को धार देने में जुट गये हैं। आखिर आने वाले समय में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव जो हैं।

जाहिर है, राजनीतिक दल और राजनेता, राजनीति तो करेंगे ही, लेकिन उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि देश-समाज के लिए राजनीति होती है, राजनीति के लिए देश-समाज नहीं होता।

ज्ञान गंगा

तनाव

सद्गुरु

हम जो भी करते हैं, वह किसी-न-किसी रूप में, दूसरे इंसान के जीवन में योगदान दे रहा है। अगर आप यह देखें कि कैसे आप सचेतन तरीके से अपने काम के जरिए सबके जीवन में कुछ योगदान दे सकें, तो आपका जीवन पूरी तरह से बदल जाएगा। योगदान देने का मतलब यह नहीं होगा कि आपको अपने कारोबार से मुनाफा नहीं होगा। अगर आप लगातार यह देखें कि आप अपने आसपास के लोगों के लिए सबसे बेहतर क्या कर सकते हैं तो लाभ अपने-आप होगा - आपको इसकी चिंता नहीं करनी होगी। योगदान देने से मतलब धन या किसी तरह का लाभ देना नहीं है-यह आपके जीवन की बुनियादी इच्छाशक्ति (संकल्प) है। अगर आप अपने जीवन को ऐसे सहयोग में बदल देंगे, तो आपका जीवन सही मायनों में सार्थक होगा क्योंकि आप वह रच रहे हैं, जिसकी आपको परवाह है। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो आपके लिए हर दिन अपने काम पर जाना आनंददायक होगा। ऐसे में आप कभी तनाव की वजह से नहीं मरेंगे, मेरा यकीन करें। हो सकता है कि आप काम से थककर मार जाएं, लेकिन आप तनाव से कभी नहीं मरेंगे। यह बहुत अच्छी बात है। जिस क्षण में आप देखते हैं कि दूसरों के जीवन में कैसे योगदान करना है, उसी क्षण से आपके भीतर एक तरह का सुखद अनुभव पैदा होगा। आपका मन और शरीर बेहतर तरीके से काम करने लगेंगे। इसे साबित करने के लिए हमारे पास अच्छे-खासे वैज्ञानिक और मेडिकल प्रमाण भी मौजूद हैं। अगर आपका मन और शरीर सही तरह से काम नहीं कर रहा, तो क्या आपको लगता है कि इस तरह सफलता हाथ आएगी? जब आप बेहतर नतीजे पाने के लिए अपने हुनर को पूरी तरह से निखार देते हैं, तब सफलता आपके हाथ आती है। अगर आप ऐसा चाहते हैं तो आपके लिए सुखद अनुभव में रहना आवश्यक है। तब आप जितना अधिक करेंगे, उतना ही बेहतर महसूस करेंगे। अगर आप सही मायनों में परमानंद को महसूस करते तो क्या आप जीवन के उद्देश्य के बारे में बात करते। आप यह सवाल इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कहीं न कहीं आपके जीवन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं है। अधिकतर इंसान विचारों, भावों, मतों तथा पूर्वाग्रहों का पुलिंदा बन कर रह गए हैं। इसका अर्थ है कि आपका मनोवैज्ञानिक ड्रामा आपके जीवन पर कब्जा कर रहा है।

भूमि को उर्वरा बनाने की चले वैश्विक मुहिम

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा संकट इसके कारण जमीन के दिनोदिन बंजर होने का है। दुनिया में जब-जब बंजर जमीन की चर्चा होती है तो स्वतः ही सैनफ्रांसिस्को का नाम जुबान पर आ जाता है। गौरतलब है कि प्रशांत महासागर के तट पर बसे सैनफ्रांसिस्को का बहुत बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र में आता है। इसमें प्रसिद्ध सिलीकॉन वैली भी है। सैनफ्रांसिस्को के खाड़ी क्षेत्र का लगभग 14 लाख हेक्टेयर इलाका जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते बाढ़, कटाव और सूखे की मार के कारण पूरी तरह तबाह हो चुका है। कभी हरा-भरा रहने वाला यह इलाका अब बंजर और निर्जन है। कुछ बरस पहले यहां वानिकी और खेती की शुरुआत की गई है। यह उतना आसान नहीं है। कारण इस इलाके में अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने जमीनें खरीद रखी हैं। उसे अब सरकार वापस तो लेना चाहती है, लेकिन वहां भारी दबाव के बावजूद सरकार व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करना नहीं चाहती। कारण वे रिपोर्टें हैं, जिनमें कहा गया है कि तीन दशक बाद खाड़ी क्षेत्र के करीबी समुद्र तट का जलस्तर काफी बढ़ जायेगा, जिससे यहां के दो-तिहाई तटीय इलाके 2050 तक जलमग्न हो जायेंगे। इन्हीं हालात से मजबूर तकरीबन 40 हजार परिवार बीते सालों में पलायन कर चुके हैं। यही वजह है 2018 में सैनफ्रांसिस्को में 'ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन समिट' में हुए समझौते में कृषि, भूमि और वनक्षेत्र में कार्य करने पर बल दिया गया था ताकि इन क्षेत्रों में होने वाले उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयासों में तेजी लायी जा सके। गौरतलब है कि यदि दुनिया में सदी के अंत तक तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी हुई तो 115.2 करोड़ लोगों के लिए जल, जमीन और भोजन का संकट पैदा हो जायेगा। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी 'लैंड डिग्रेडेशन न्यूट्रैलिटी टारगेट सेटिंग' रिपोर्ट के अनुसार भूमि की बर्बादी के प्रमुख कारणों में जंगलों का अंधाधुंध कटान, आबादी में बढ़ोतरी और संरचनात्मक ढांचे में बदलाव, जमीन के उचित प्रबंधन का अभाव, खेती के पुराने तौर-तरीके और बाढ़, सूखा, कम समय में ज्यादा बारिश आदि मौसम की अतिवादी घटनाएं हैं। इसकी बड़ी वजह मरुस्थलीकरण है, जिसका असर भविष्य में विकासशील देशों के 1.3 से 3.2 अरब लोगों पर पड़ेगा। बंजर और मरुभूमि में जमीन के तब्दील होने के कारण मिट्टी में कार्बन की मात्रा कम हो रही है। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की मानें तो बड़े पैमाने पर कार्बन को खुद में समेटे तुषार मिट्टी अब ढीली पड़कर बिखरने लगी है। तुषार मिट्टी वह है जो शून्य डिग्री तापमान होने से जम चुकी होती है। जो इलाके बर्फ से ढके नहीं होते, वहां यह मिट्टी की एक परत के नीचे होती है। तापमान में जैसे-जैसे बढ़ोतरी होती है, वैसे ही यह बिखरने लगती है। असलियत में ग्रीनहाउस गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में कृषि, वन और भू-उपयोग की हिस्सेदारी एक-तिहाई के करीब है। आईपीसीसी के अनुसार खेतों और घास के मैदानों की मिट्टी में कार्बन सोखने की क्षमता प्रतिवर्ष 0.4-8.6 गीगीटन होती है। जंगलों के कटान से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में बढ़ोतरी होती है। भू-क्षरण के कारण मिट्टी में

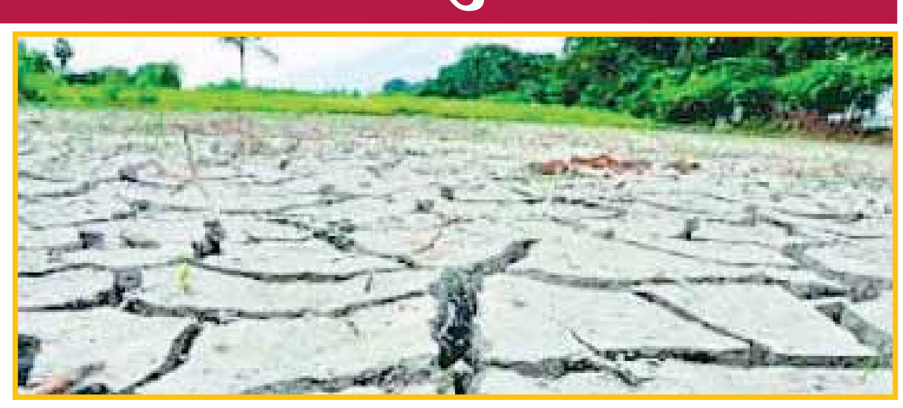

कार्बन तत्वों के घनत्व में कमी आने से उस जमीन पर पनपने वाले वन पुराने वनों के स्तर की भरपाई नहीं कर पाते। देखा गया है कि पारंपरिक खेती के उपयोग वाली मिट्टी लगातार होने वाले ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का स्रोत बनी रहती है। जबकि कृषि भूमि की मिट्टी खेती में इस्तेमाल में लाये जाने से पहले 20 से 60 फीसदी जैविक कार्बन खो देती है। आज दुनिया की करीब 40 फीसदी जमीन बंजर हो चुकी है। इसमें से 6 फीसदी रेगिस्तान को छोड़ दें तो साफ है कि 34 फीसदी जमीन पर करीब चार अरब लोग निर्भर हैं। भारत में करीब 69 फीसदी शुष्क भूमि बंजर होने के खतरे का सामना कर रही है। जमीन के खराब होने के चलते आज दुनिया के 52 से 75 फीसदी देश भूमि क्षरण की मार झेल रहे हैं। हाल-फिलहाल इन देशों के करीब 50 करोड़ लोग इससे प्रभावित हैं। शोध-अध्ययन सबूत हैं कि जलवायु परिवर्तन के चलते भूमि का क्षरण दस से बीस गुणा बढ़ गया है। भविष्य में इसमें और तेजी आयेगी। भारत में गंगा बेसिन सबसे ज्यादा संवेदनशील है। नोएडा में हुए कॉप-14 सम्मेलन में गत वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत विश्व नेताओं ने समवेत स्वर से बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने पर जोर दिया और 2030 तक 35 करोड़ हेक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने का लक्ष्य रखा था। सम्मेलन में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने 2030 तक देश में 2.6 करोड़ हेक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने की घोषणा की, वहीं संयुक्त राष्ट्र के कार्यकारी निदेशक इब्राहीम थियाव ने जैविक खेती कर जमीन को बंजर होने से बचाने की अपील की थी। यह तभी संभव है जब आर्गेनिक सामग्री का इस्तेमाल हो, मिट्टी की कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ाने हेतु गहराई तक जड़ें फैलाने वाले पौधे लगाये जायें, भूमि प्रबंधन के तौर-तरीकों— कृषि वानिकी, फसल चक्र में बदलाव मिट्टी की किस्म, भू-प्रबंधन की वर्तमान और पूर्व में इस्तेमाल की गई पद्धतियों, पर्यावरणीय स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए किया जाये। इससे मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होगा, मिट्टी की कार्बन सोखने की क्षमता अपेक्षित बिंदु तक पहुंच सकेगी, फसल उत्पादन में बढ़ोतरी और किसानों को लम्बी अवधि में लाभ मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृषभ	व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।
मिथुन	आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।
कर्क	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।
कन्या	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।
तुला	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।
वृश्चिक	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
मकर	बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

सीमा पर तनाव के बीच चीन का ये बैंक भारत को देगा 5700 करोड़ रुपये का लोन

बिजनेस डेस्क। सीमा पर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। मंगलवार को तो विवाद इतना बढ़ा कि हिंसक झड़प तक हो गई, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए। इसी बीच ये खबर आ रही है कि बीजिंग के एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक की ओर से भारत के लिए 75 करोड़ डॉलर यानी 5700 करोड़ रुपए का लोन मंजूर कर दिया गया है। ऐसे में एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर चीनी बैंक भारत को लोन क्यों दे रहा है? बैंक की तरफ से भारत को लोन कोरोना वायरस से जंग लड़ने के लिए दिया जा रहा है। इस लोन का लक्ष्य कमजोर तबके को सहायता देना है। साथ ही इससे कारोबारियों को आर्थिक सहायता मुहैया कराई जाएगी। इस लोन का मकसद सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क को मजबूती देना और हेल्थकेयर में सुधार करना भी है। बता दें कि इस बैंक ने कोरोना से निपटने के लिए भारत को मई महीने में भी 50 करोड़ डॉलर का लोन मंजूर किया था। यह लोन 10 अरब डॉलर के उस लोन का हिस्सा हैं, जिसकी घोषणा बैंक ने कोरोना महामारी से लड़ने के लिए की है। बता दें कि भारत में कोरोना वायरस से होने वाली मौतों में रिकॉर्ड इजाफा हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान की वजह से 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र और दिल्ली का है। दरअसल कोरोना वायरस से हुई इन मौतों को पहले दर्ज नहीं किया गया था। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़कर 3.50 लाख पहुंच गए हैं।

लॉकडाउन में हर भारतीय ने औसतन 2 घंटे अधिक इस्तेमाल किया मोबाइल-लैपटॉप

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से देश भर में लॉकडाउन था। इस दौरान लोगों ने वर्क फ्रॉम होम किया, बच्चों ने ऑनलाइन पढ़ाई की, ऑनलाइन एंटरटेनमेंट भी खूब हुआ और स्ट्रीमिंग भी खूब हुई। इस पूरे वक्त में लोगों का स्क्रीन टाइम पहले की तुलना में करीब दोगुना हो गया है। लोग लॉकडाउन की वजह से घरों में थे, ऐसे में डिजिटल और इंटरनेट देश की रीढ़ बन गए, जिसके चलते ऑनलाइन खपत में करीब 20 फीसदी का इजाफा हुआ है। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्टफोन का इस्तेमाल जहां पहले प्रति व्यक्ति औसतन 3 घंटे होता था, वो 5 घंटे तक चला गया। ब्रॉडबैंड या वाईफाई से जुड़े रहने के दौरान पहले औसतन एक व्यक्ति 2.5 घंटे स्क्रीन इस्तेमाल करता था, अब वह आंकड़ा 4.5 घंटे तक जा पहुंचा है। दुनिया भर में 2019 में भारत में सबसे अधिक इंटरनेट इस्तेमाल किया गया था, जो इस बार लॉकडाउन में और बढ़ गया है। 2019 में भारत में प्रति यूजर हर महीने करीब 12 जीबी डेटा इस्तेमाल किया गया, जबकि ग्लोबल एवरेज महज 7 जीबी था। माना जा रहा है कि अगले 5 सालों में ये आंकड़ा 25 जीबी तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 तक 41 करोड़ अतिरिक्त स्मार्टफोन यूजर बढ़ सकते हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि करीब 18 फीसदी यूजर 5जी नेटवर्क इस्तेमाल करेंगे, जबकि अभी ये आंकड़ा जीरो है। सरकार 5जी शुरू करने की दिशा में लगातार कदम बढ़ा रही है।

पेट्रोल का दाम 55 पैसे, डीजल का 60 पैसे प्रति लीटर बढ़ा, लगातार 11वें दिन बढ़े दाम

नयी दिल्ली। तेल कंपनियों ने लगातार 11वें दिन पेट्रोल, डीजल के दाम में वृद्धि की है। बुधवार को पेट्रोल का दाम 55 पैसे और डीजल के दाम में 60 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई। कुल मिलाकर पिछले 11 दिन में पेट्रोल 6.02 रुपये और डीजल का दाम 6.40 रुपये प्रति लीटर बढ़ चुका है। तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल का दाम 76.73 रुपये से बढ़कर 77.28 रुपये प्रति लीटर हो गया। वहीं डीजल का दाम 75.19 रुपये से बढ़कर 75.79 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम में आने वाली घटबढ के अनुरूप पूरे देश में समान रूप से पेट्रोल, डीजल के दाम घटाती अथवा बढ़ातीं हैं लेकिन राज्यों में स्थानीय स्तर पर अलग अलग दर से लगने वाले बिक्री कर अथवा मूल्य वर्धित कर (वैट) के कारण इनके दाम में अंतर रहता है। तेल कंपनियों ने 7जून से जब दोनों ईंधनों के दाम में दैनिक संशोधन की शुरुआत की है तब से लगातार दाम बढ़ते चले गये हैं। इससे पहले कोरोना वायरस और लॉकडाउन के चलते लगातार 82 दिन तक दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया। इस दौरान सरकार ने पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि भी की।

94 साल पुराने बैंक को मिला विलय का प्रस्ताव, आरबीआई से मिलेगी हरी झंडी?

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्राइवेट सेक्टर के एक और बैंक की विलय को मंजूरी दे दी है। लक्ष्मी विलास बैंक (एलवीबी) विलय मंजूरी से पहले आर्थिक कार्यप्रणाली और नियमों में अनियमितता की वजह से आरबीआई द्वारा तमाम तरह की पाबंदियों का सामना कर चुका है। बैंक काफी समय से विलय की कोशिश में था लेकिन पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग के साथ विलय के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया गया था। लक्ष्मी विलास बैंक की कुल 569 शाखाएं हैं। बैंक 1046 एटीएम संचालित करता है। बैंक के शेयर भाव 16 रुपए के करीब है। बैंक काफी पुराना है। लक्ष्मी विलास बैंक की स्थापना 1926 में हुई थी लेकिन आरबीआई ने 1958 में बैंक को लाइसेंस दिया। बैंक के ज़्यादातर ब्रांच और फाइनेंशियल सेंटर आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल में हैं। इसके अलावा अलावा दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में भी बैंक की शाखाएं हैं। अब लक्ष्मी विलास बैंक को एयॉन कैपिटल द्वारा समर्थित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी क्लिक्स कैपिटल की ओर से विलय का प्रस्ताव मिला है।

विलय से एलवीबी के पूंजी आधार में 1,900 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी। बैंक ने शेयर बाजार को भी इस बारे में जानकारी दे दी है। एयॉन कैपिटल, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट और आईसीआईसीआई वेंचर्स की ओर से प्रवर्तित है। मार्केट में एयॉन कैपिटल की साख अच्छी है।

कमजोर मांग से सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । विदेशों में कमजोरी के रुख के बाद कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में सोने की कीमत 0.34 प्रतिशत ककी गिरावट के साथ 47,406 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोना के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 161 रुपये अथवा 0.34 प्रतिशत ककी गिरावट के साथ 47,406 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी जिसमें 14,002 लॉट के लिए कारोबार हुआ। सोना के अक्टूबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 165 रुपये अथवा 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,612 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी जिसमें 5,603 लॉट के लिए कारोबार हुआ। न्यूयॉर्क में, सोने की कीमत 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,731.60 डॉलर प्रति औंस रह गई।

देश में ई-खुदरा बाजार का कारोबार 2025 तक 120 अरब डॉलर जीएमवी पहुंच जाने का अनुमानः रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश का ई-खुदरा बाजार में तेजी से विकास होगा और 35 करोड़ खरीदारों के साथ इसका कारोबार 2025 तक 100 से 120 अरब डॉलर सकल वस्तु मूल्य (जीएमवी) पर पहुंच जाने का अनुमान है। बेन एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। फ्लिपकार्ट के साथ मिलकर तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि 850 अरब डॉलर मूल्य का भारतीय खुदरा बाजार दुनिया का चौथा बड़ा बाजार है लेकिन इसका बड़ा हिस्सा असंगठित है। इसमें कहा गया है, ''यह बाजार ई-खुदरा इकाइयों और भारतीय खरीदारों पर उनके बढ़ते प्रभाव के साथ बदलाव की दहलीज पर खड़ा है। पिछले पांच साल में देश में ई-खुदरा उद्योग में तीव्र वृद्धि हुई है और आने वाले समय में वृद्धि की काफी गुंजाइश है। फिलहाल ऑनलाइन खुदरा ारोबार की पहुंच करीब 3.4 प्रतिशत है। सस्ता और दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचता मोबाइल डेटा, ऑनलाइन खर्च का बढ़ता चलन तथा कंपनियों की तरफ से स्थानीय भाषा में उपयोग जैसी सुविधाओं से वित्त वर्ष 2024-25 रिपोर्ट के अनुसार इससे ऑनलाइन सकल वस्तु मूल्य (जीएमवी) संचयी आधार पर सालाना 30 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा और 2025 तक 100 से 120 अरब डॉलर पुंहच जाने का अनुमान है।

वाणिज्यिक कोयला खनन की नीलामी की बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री करेंगे शुरूआत

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी संकट पर भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि भारत को इससे बाहर निकलने तथा अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए नया तरीका ढूंढना होगा। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में राजन ने जीवन के साथ-साथ आजीविका बचाने के लिए आर्थिक गतिविधियों को धीरे-धीरे शुरू करने की बात कही। राजन ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बाद का वक्त वित्तीय अस्थिरता और राजकोषीय संकट वाला नहीं होना चाहिए जैसा कोरोना संकट शुरू होने के समय था। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए उल्लेखनीय सुधारों की आवश्यकता होगी और इन सुधारों पर हम किस तरह राजनीतिक एकमत कायम करते हैं, यह मूल सवाल होगा। राजन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ये सुधार नहीं किए गए तो भारत बेहद अप्रभावी तरीके से आगे बढ़ेगा और एक बहुत बड़ी युवा आबादी वाले देश के लिए यह अच्छा नहीं होगा। लॉकडाउन को हटाए जाने के बारे में राजन ने कहा कि भारत को इससे धीरे-धीरे बाहर निकलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर संक्रमण सबसे कम है, वहां लॉकडाउन को पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ हटाया जा सकता है। पूर्व गवर्नर ने कहा कि भारत लंबे समय तक लॉकडाउन में नहीं रह सकता है। वहां लॉकडाउन को पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ हटाया जा सकता है। पूर्व गवर्नर ने कहा कि भारत लंबे समय तक लॉकडाउन में नहीं रह सकता है।

सरकार की तरफ से पैकेज के बारे में रघुराम राजन ने चेताते हुए कहा कि इस बारे में लोगों को बेहद सजग रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि इससे करेंसी पर कोई असर न पड़े और ब्याज दरें नहीं बढ़ें। उन्होंने कहा कि कोई भी स्कीम बनाते समय सरकार को बेहद सावधानी बरतनी होगी। वहीं, अमेरिका-चीन के बीच कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर तनाव पर राजन ने कहा कि भारत ने इससे दूर रहने की दिशा में बेहतर काम किया है।

इस साल 10 उत्पाद पेश करने की राह पर : मर्सडीज-बेंज़ इंडिया

नयी दिल्ली। महंगी कार बनाने वाली जर्मनी की मर्सडीज-बेंज़ इस साल देश में 10 नए कार मॉडल पेश करने के रास्ते पर आगे बढ रही है। भले ही कोरोना वायरस संकट की वजह से हालात थोड़े चुनौतीपुर्ण क्यों ना हुए हों। कंपनी ने बुधवार को अपनी जीएलएस एसयूवी का नया संस्करण पेश किया। शोरूम में इसकी कीमत 99.9 लाख रुपये से शुरू होती है। कंपनी इस साल अब तक छह उत्पाद पहले ही पेश कर चुकी है। यह उसका इस साल पेश किया गया सातवां उत्पाद है। कंपनी के भारतीय परिचालन के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' हमने इस साल भारत में 10 उत्पाद पेश करने की योजना बनायी थी। हालांकि इसमें थोड़ा विलंब हो रहा है, लेकिन हम उसी राह पर हैं। सभी उत्पादों को भारतीय बाजार में पेश किया जाएगा।'' कोरोना वायरस से उभरी चुनौतियों को उन्होंने बाजार के लिए अस्थायी करार दिया। उन्होंने कहा उन्होंने कहा कि कंपनी अपनी योजना के हिसाब से आगे बढ़ेगी। लॉकडाउन के बाद काम के फिर से शुरू होने पर उन्होंने कहा कि बिक्री धीरे-धीरे बढ़ेगी। ग्राहकों में विश्वास बहाली के लिए और कदम उठाने की जरूरत है। हर सप्ताह सुधार हो रहा है, लेकिन अभी हम महामारी से पूर्व की स्थिति में आने से दूर हैं।

कोरोना वायरस महामारी के कारण जापान का निर्यात, आयात मई में घटा

टोक्यो (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण वैश्विक व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसके चलते मई में जापान का निर्यात 28 प्रतिशत और आयात 26 प्रतिशत घट गया। जापान के वित्त मंत्रालय के बुधवार को जारी अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक मई लगातार दूसरा महीना रहा है जब जापान को व्यापार घाटा हुआ है। जापान की आमतौर पर इसके लिए आलोचना होती रही है कि वह बड़ा व्यापार अधिशेष रखता है और जिन देशों को उसके उत्पाद भारी मात्रा में निर्यात होते हैं उन देशों से वह अधिक आयात नहीं करता है। आंकडों के मुताबिक पिछले साल अप्रैल में भी आयात और निर्यात दोनों में गिरावट रही। जापान की आर्थिक वृद्धि उसके व्यापार और पर्यटन पर निर्भर करती है। इसके साथ ही उसका घरेलू लघु एवं मध्यम उपभोक्ता केन्द्रित कारोबार भी उसकी अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। सभी पर कोविड- 19 के चलते बुरा प्रभाव पड़ा है।

जापान से अमेरिका को होने वाला निर्यात 50 प्रतिशत से अधिक घटा है वहीं आस्ट्रेलिया को होने वाले निर्यात में 59 प्रतिशत तक कमी आई है। अमेरिका से आयात में वहीं 28 प्रतिशत जबकि आस्ट्रेलियम से होने वाले आयात में 29 प्रतिशत गिरावट आई है। चीन के साथ होने वाले व्यापार में हालांकि सुधार दिखा है और यह पिछले साल के स्तर तक पहुंच गया है। चीन के साथ होने वाले व्यापार में हालांकि सुधार दिखा है और यह पिछले साल के स्तर तक पहुंच गया है।

चीन के साथ जापान के निर्यात और आयात दोनों ही 12 प्रतिशत नीचे रहे हैं। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था जापान पहले ही मंदी के दौर से गुजर रही है। उसकी अर्थव्यवस्था में लगातार दो तिमाही में गिरावट दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में गिरावट दर्ज करने के बाद चालू जून में समाप्त होने वाली तिमाही में भी गिरावट का अनुमान है। जापान की सरकार ने कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बड़ा राहत पैकेज जारी किया है।

अप्रैल-मई में रत्न, आभूषण निर्यात 82.31 प्रतिशत घटकर 4,328.54 करोड़ रुपये पर

मुंबई। देश का रत्न एवं आभूषण निर्यात चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-मई माह के दौरान 82.31 प्रतिशत घटकर 4,328.54 करोड़ रुपए पर आ गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कोविड-19 महामारी फैलने की वजह से दुनियाभर में लॉकडाउन के चलते रत्न एवं आभूषण निर्यात में भारी गिरावट आई है। अप्रैल-मई, 2019 के दौरान रत्न एवं आभूषणों का निर्यात 24,468.11 करोड़ रुपए रहा था। जीजेईपीसी के वाइस चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर लॉकडाउन की वजह से निर्यात प्रभावित हुआ है। अब चीन, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में मांग कुछ सुधर रही है। शाह ने कहा कि खाड़ी के ज्यादातर देशों और अमेरिका में अभी इस महामारी का प्रभाव कायम है। उद्योग की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है, लेकिन निश्चित रूप से हम सभी सुरक्षा नियमों का अनुपालन कर रहे हैं। इस बीच, आंकड़ों के अनुसार कट और पालिश किए गए हीरों का निर्यात अप्रैल-मई में 77.42 प्रतिशत घटकर 2,943.18 करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह सोने के आभूषणों का निर्यात 92 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 7,927.47 करोड़ रुपए से 634.38 करोड़ रुपए पर आ गया।

कोरोना इफैक्टः HSBC करेगी 35,000 कर्मचारियों की छंटनी

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

हांगकांग शंघाई बैंकिंग कॉरपोरेशन 35,000 लोगों की छंटनी करेगा। साथ ही बैंक सभी प्रकार के एक्सर्टनल रिक्रूटमेंट को भी फीज रखेगा। बैंक ने अपने दुनियाभर के सभी कर्मचारियों को भेजी गई जानकारी में यह बात कही है। बैंक को कोविड-19 महमारी के चलते नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसलिए लागत को कम करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। एचएसबीसी का लाभ पिछले तीन सालों से कम होता जा रहा है, जिसकी वजह से बैंक ने यह फैसला लिया। एचएसबीसी के मुख्य कार्यकारी नोएल क्विन ने कहा कि हम नियुक्ति को लंबे समय के लिए फ्रीज नहीं कर रहे हैं लेकिन कब तक के लिए फ्रीज रखा जाएगा इस पर अभी कुछ भी कहना संभव नहीं है। नोएल क्युइन ने कहा है कि, हमारे कारोबार के कुछ हिस्से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रहे। इसलिए अपने निवेशकों को बेहतर परिणाम देने के लिए हम अपनी योजना पर पुनर्विचार कर रहे हैं। बता दें कि कोविड-19 के चलते बैंक अनिश्चिताओं का सामना कर रहा है। इससे पहले भी बैंक अपने बयान में यूरोप और अमेरिका के कारोबार का दायरा घटाने को लेकर कह चुकी है। नौकरी में कटौती का ऐलान इसी साल फरवरी में किया था बता दें कि एचएसबीसी ने नौकरी में कटौती का ऐलान इसी साल फरवरी में किया था लेकिन बाद में उसे टाल दिया गया था। अब संकट बढ़ने के चलते बैंक अपना लागत को कम करेगा और कर्मचारियों की संख्या 2.35 लाख से घटाकर 2 लाख करेगी।

रेलवे ने इंस्टॉल की देश की पहली ऑटोमेटिक टिकट चेकिंग मशीन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय रेलवे तकनीक के इस्तेमाल में दिन-प्रतिदिन तेजी ला रहा है। अभी तक आप रेलवे स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन ही देखी होगी, लेकिन अब रेलवे इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए ऑटोमेटिक टिकट चेकिंग मशीन की तरफ बढ़ रहा है। प्रयोगिक तौर पर इसे मध्य रेलवे के नागपुर रेलवे स्टेशन पर लगाया भी जा चुका है। रेल मंत्री गोयल पीयूष गोयल ने इस बारे में जानकारी दी है। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसे अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी इंस्टाल किया जाएगा। रेल अधिकारियों का कहना है कि इससे न सिर्फ टिकट चेकिंग का काम पूरा होगा बल्कि कोविड-19 के फैलाव को रोकने में भी मदद मिलेगी क्योंकि इससे पैसेंजर का टेंपरेचर भी चेक हो जाता है। नागपुर रेलवे स्टेशन पर जिस ऑटोमेटिक टिकट चेकिंग मशीन को लगाया गया है, वह ष्टश1द्वस्र-19 महामारी को फैलने से रोकने में भी मददगार होगा। मध्य रेलवे की न्यू एंड इनोवेटिव आइडिया एंड कंसेप्ट फॉर जनरेशन ऑफ नॉन फेयर रेवेन्यू आइयिा स्कीम पॉलिसी के तहत लगाई गई मध्य रेलवे की न्यू एंड इनोवेटिव आइडिया एंड कंसेप्ट फॉर जनरेशन ऑफ नॉन फेयर रेवेन्यू आइयिा स्कीम पॉलिसी के तहत लगाई गई यह मशीन न सिर्फ टिकट की जांच करेगी, बल्कि शरीर का तापमान चेक करेगी और फेस मास्क नहीं पहनने वाले यात्रियों को स्टेशन में प्रवेश करने से रोकेगी। अधिकारियों का कहना है कि यह मशीन बोर्डिंग दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग के तहत कांटैक्टलेस स्क्रीनिंग करेगी। इस मशीन के जरिए उन यात्रियों को ही प्रवेश मिल पाएगा जिनके पास मान्य आईडी होगा। आईडी की जांच मशीन ही करेगी। साथ ही रिजर्व टिकट का पीएनआर नंबर भी जांचेगी। यह मशीन भले ही ऑटोमेटिक हो, लेकिन उसका कमांड रेलवे स्टाफ के पास ही रहेगा। वह स्टाफ मशीन के पास ही बने केबिन में बैठा रहेगा और वह इस मशीन को समय समय पर जरूरी दिशा निर्देश देता रहेगा। ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन से टिकट काटने की शुरूआत काफी पहले से ही हो गई है। इस मशीन की सहायता से अभी जनरल या अनरिजर्व टिकट काटे जा रहे हैं। इसके लिए नकदी या फिर रेलवे के स्मार्ट कार्ड का उपयोग होता है।

व्हट्सएप मामला : सेबी ने मूल्य संवेदी सूचना लीक करने के मामले में 15 लाख का जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली (एजेंसी) ।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बाटा इंडिया लिमिटेड के वित्तीय परिणामों से जुड़ी संवेदनशील सूचना को कंपनी की आधिकारिक घोषणा होने से पहले ही लीक करने के मामले में एक व्यक्ति पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जानकारी व्हट्सएप संदेश भेजकर लीक की गई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक आदेश में कहा है कि आदित्य ओमप्रकाश गग्गर पर शेयर मूल्यों के लिहाज से संवेदनशील जानकारी को लीक करने के मामले में 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सेबी ने अप्रकाशित मूलय संवेदी सूचना को व्हट्सएप संदेश के जरिये प्रसारित करने के मामले की जनवरी 2016 से लेकर फरवरी 2016 के बीच जांच की है। जांच में पाया गया कि अन्य लोगों सहित गग्गर ने बाटा इंडिया से जुड़ी अप्रकाशित संवेदनशील सूचना को व्हट्सएप संदेशों के जरिये प्रसारित किया। यह सूचना बाटा इंडिया के दिसंबर 2015 में समाप्त तिमाही के दौरान बिक्री कारोबार, शुद्ध मुनाफा के बारे में अप्रकाशित सूचना को प्रसारित किया। सेबी ने

मंगलवार को पारित अपने आदेश में कहा है कि इस सूचना के खुलासे से सूचनाओं के प्रसारण में समानता के नियम का उल्लंघन हुआ है। सेबी ने नोट किया है कि प्रौद्योगिकी, सूचनाओं के प्रवाह और बाजार तक पहुंच के क्षेत्र में जो घटनाक्रम हुये है उनसे एक नया बाजार ढांचा खड़ा हुआ है जिससे वह इस तरह प्रभाव डाल सकता है कि बाजार में साठगांठ हो सकती है।

मई में महज 2.81 लाख लोगों ने की हवाई यात्रा

नई दिल्ली।

घरेलू मार्गों पर दो महीने के अंतराल के बाद यात्री उड़ानें शुरू होने के बाद मई में दो लाख 81 हजार लोगों ने हवाई यात्रा की। कोविड-19 का संक्रमण रोकने के लिए दो महीने की रोक के बाद 25 मई से घरेलू यात्री उड़ानें दुबारा शुरू की गई थीं इसलिए महीने के दौरान सिर्फ अंतिम एक सप्ताह में उड़ानों का परिचालन हुआ। ऐसे में एक साल पहले की तुलना में इस साल मई के आंकड़ों में भारी गिरावट रही है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, मई 2019 में घरेलू मार्गों पर एक करोड़ 21 लाख 87 हजार लोगों ने हवाई यात्रा की थी। इस प्रकार इस साल मई में इसमें 97.69 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। उड़ानों पर प्रतिबंध के कारण इस साल जनवरी से मई के दौरान यात्रियों की संख्या तीन करोड़ 31 लाख 94 हजार रही है जो पिछले साल की समान अवधि के पांच करोड़ 86 लाख 34 हजार की तुलना में 43.39 प्रतिशत कम है। मई में विमानों में यात्रियों की संख्या भी काफी कम रही। स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो को छोड़कर अन्य विमान सेवा कंपनियों की आधी से ज्यादा सीटें खाली रहीं। स्पाइसजेट का पैसेंजर लोड फैक्टर (पीएलएफ) 57.2 प्रतिशत, एयर इंडिया का 54 प्रतिशत और इंडिगो का 52.6 प्रतिशत रहा। एयर एशिया का पीएलएफ 46 प्रतिशत, विस्तारा का 44.1 प्रतिशत, स्टार एयर का 36.6 प्रतिशत और ट्रूजेट का 24.3 प्रतिशत रहा। डीजीसीए ने

बताया कि यात्रियों की संख्या के लिहाज से मई में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 50.6 प्रतिशत, एयर इंडिया की 17.1 प्रतिशत, स्पाइसजेट की 17.1 प्रतिशत, एयर एशिया की 7.8 प्रतिशत और विस्तारा की 6.5 प्रतिशत रही।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएसके के टीम डॉक्टर ने भारत-चीन झड़प पर किया विवादित ट्विट, निलंबित

नई दिल्ली । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सैनिकों के साथ झड़प में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए टीम डाक्टर मधु थोटापिल्लिल को बुधवार को निलंबित कर दिया क्योंकि आईपीएल फ्रेंचाइजी ने इसे दुर्भावनापूर्ण करार दिया। सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हैं जो प्रादेशिक सेना में मानद लेफ्टिनेंट रैंक पर है। सीएसके ने अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर इस निलंबन की घोषणा की। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन की इंडिया सीमेंट्स टीम की मालिक है।बयान के अनुसार- चेन्नई सुपरकिंस प्रबंधन को डॉक्टर मधु थोटापिल्लिनी द्वारा किए गए ट्वीट की जानकारी नहीं थी। उन्हें टीम डॉक्टर के पद से निलंबित कर दिया गया है। बयान के अनुसार- चेन्नई सुपरकिंस प्रबंधन को डॉक्टर मधु थोटापिल्लिनी द्वारा किए गए ट्वीट की जानकारी नहीं थी। उन्हें टीम डॉक्टर के पद से निलंबित कर दिया गया है। इसके अनुसार- चेन्नई सुपरकिंग्स को उनके ट्वीट पर खेद है जो प्रबंधन की जानकारी के बिना किया गया और यह दुर्भावनापूर्ण था। वह आईपीएल के शुरू होने से ही टीम के साथ हैं और स्पोर्ट्स मेडिसिन के विशेषज्ञ हैं। गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले पांच दशक में यह सबसे बड़ा टकराव है जिससे इस क्षेत्र में सीमा पर गतिरोध बढ़ गया है।

चेसएबल मास्टर्स शतरंज

भारत के पेंटाला हरिकृष्णा विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलेंगे : शतरंज

शतरंज (एजेंसी) ।

नॉर्वे (निकलेश जैन) विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने 1 मिलियन डॉलर की पुरुष्कार राशि के मेगनस कार्लसन ऑनलाइन शतरंज टूर में तीसरे टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है और भारत के लिए अच्छी बात यह है की इसमें भारत के पेंटाला हरिकृष्णा भी खेलते नजर आएंगे । विश्व के 12-खिलाड़ियों के 150,000 अमेरिकन डॉलर राशियो वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष के छह खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे , प्रतियोगिता शनिवार 20 जून से शुरू होगी जिसमें ओहले लीग चरण और फिर प्ले ऑफ के मुक़ाबले खेले जाएँगे । 20- से 23 जून तक लीग चरण ,25 से 29 तक क्वाटर फ़ाइनल ,30 जून से 2 जुलाई तक सेमी फ़ाइनल और 3 जुलाई से 5 जुलाई तक फाइनल खेला जाएगा । प्रतियोगिता के खिलाड़ी इस प्रकार है नॉर्वे के मेगनस कार्लसन ,अमेरिका के फबियानों करूआना और हिकारु नाकामुरा ,चीन के डिंग लीरेन ,रूस के इयान नेपोमनियाची प्रतियोगिता के खिलाड़ी इस प्रकार है नॉर्वे के मेगनस कार्लसन ,अमेरिका के फबियानों करूआना और हिकारु नाकामुरा ,चीन के डिंग लीरेन ,रूस के इयान नेपोमनियाची , ,अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक ,अर्टेमिव ब्लादिस्लाव ,फ्रांस के मेक्सिम लाग्रेव ,अजरबैजान के तिमूर रद्जाबोव ,नीदरलैंड के अनीश गिरि ,और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा।

सुशील और योगेश्वर के पदकों ने मुझे प्रेरित किया : साक्षी मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने बुधवार को कहा कि सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त के ओलंपिक में प्रदर्शन ने उन्हें 2016 के रियो खेलों में पदक जीतने के लिए प्रेरित किया। साक्षी ने रियो ओलंपिक की कुश्ती प्रतियोगिता में महिलाओं के 58 किग्रा के रेपाशेज में कांस्य पदक के मुकाबले में किर्गीस्तान की ऐसुलु ताइनबेकोवा को 8-5 से हराकर पदक जीता था। एक समय वह 0-5 से पिछड़ रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की। साक्षी ने कहा कि उन्हें ओलंपिक खेलों के महत्व के बारे में ज्यादा पता नहीं था और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार और लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त की उपलब्धियों के बाद ही उन्हें इसके बारे में पता चला। उन्होंने कहा- मैं बचपन से ही यह खेल रही हू लेकिन मैं ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों के बारे में ज्यादा नहीं जानती थी। साक्षी ने ई-पाठशाला में कुश्ती के सत्र के दौरान कहा- कुश्ती में आने ओर जूनियर स्तर पर पदक जीतने के बाद इन प्रतियोगिताओं में मेरी दिलचस्पी जागी। बाद में सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त ने ओलंपिक सहित बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने शुरू किए जिससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ने कहा कि जीत की

भावनाओं को व्यक्त करना मुश्किल है। उन्होंने कहा- जब मैं कांस्य पदक मैच में पहुंची तो मैं इसे नहीं गंवाना चाहती थी। मेरे कोच (कुलदीप मलिक) कह रहे थे कि तुम अपनी प्रतिद्वंद्वी से बेहतर हो। यह कड़ा मैच था। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि जीत के बाद मुझे कैसा महसूस हो रहा था। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि हंसना है, मुस्कराना है या रोना है। साक्षी ने कहा- मेरे कोच ने बताया कि इस पदक के बाद मेरी जिंदगी बदल जाएगी ।

एलेन जोन्स : टेस्ट खेलने के 50 साल बाद मिला प्रोफेशनल क्रिकेटर का दर्जा

लंदन । इंग्लैंड के लिए एकमात्र टेस्ट खेलने के 50 साल बाद अंततः पूर्व बल्लेबाज एलेन जोन्स को टेस्ट क्रिकेट का दर्जा मिला। जोन्स 1970 में शेष विश्व एकादिश के खिलाफ इंग्लैंड की श्रृंखला के पहले टेस्ट में खेले थे। इन मैचों को शुरुआत में टेस्ट का दर्जा हासिल था लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 1972 में इनका दर्जा छीन लिया। जोन्स को शून्य और पांच रन के स्कोर पर माइक प्रॉक्टर ने आऊट किया और उन्हें कभी दोबारा खेलने का मौका नहीं मिला। जोन्स ने इस तरह 48 साल तक टेस्ट क्रिकेट का दर्जा छिना रहा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अब 81 साल के जोन्स को औपचारिक रूप से 696वें नंबर के टेस्ट क्रिकेटर के रूप में शामिल किया है। मौजूदा लॉकडाउन पाबंदियों के कारण जोन्स को कैप सौंपने का कार्यक्रम वीडियो लिंक के जरिए हुआ। जोन्स ने अपनी नई कैप हासिल करने के बाद कहा- यह फिट बैठती है। अब मैं हेलमेट का इंतजार कर रहा हूं। जोन्स ने प्रथम श्रेणी में 36,049 रन बनाए हैं जो आईसीसी से स्वीकृत टेस्ट में नहीं खेलने वाले किसी बल्लेबाज के सर्वाधिक प्रथम श्रेणी रन हैं।

न्यूयॉर्क गवर्नर ने यूएस ओपन को मंजूरी दी जोकोविच और नडाल के बाद अब वर्ल्ड नंबर-2 सिमोना हालेप का भी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)

कोरोनावायरस के बीच इस साल यूएस ओपन होगा या नहीं, यह सस्पेंस अभी बरकरार है। इसी बीच न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्र्यू क्यूमो ने मंगलवार को ग्रैंड स्लैम कराने की मंजूरी दे दी है। न्यूयॉर्क में इस साल यूएस ओपन 24 अगस्त से 13 सितंबर तक होना है। वहीं, वर्ल्ड नंबर-2 सिमोना हालेप ने कहा है कि वे शायद ही इस साल यूएस ओपन में खेलेंगी। उनकी संभावना बेहद कम है। यह बात रोमानिया की टेनिस स्टार के प्रवक्ता ने रॉयटर्स से कही है। यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन (यूएसटीए) ने कहा कि ग्रैंड स्लैम को बगैर दर्शकों के ही कराया जाएगा। टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल तैयार कर सरकार के पास भेजा है। अब सिर्फ मंजूरी मिलने की देरी है। पिछले साल यूएस ओपन देखने के लिए करीब 7.40 लाख फैन्स पहुंचे थे। गवर्नर क्यूमो ने कहा कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और स्टाफ का कोरोना टेस्ट, एक्स्ट्रा सफाई, सभी खिलाड़ियों के लिए एक्स्ट्रा लॉकर रूम और सभी के लिए अलग-अलग रूम की सुविधाएं रखी गई हैं। पिछली बार नडाल ने यूएस ओपन के फाइनल में रूस के दानिल मेदवेदेव को हराकर चौथी बार खिताब जीता था। डिफेंडिंग चैम्पियन स्पेन के राफेल नडाल, सर्बिया के नोवाक जोकोविच और ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ी एश्ले बार्टी जैसे स्टार का भी खेलना मुश्किल है। यह तीनों पहले ही कह चुके हैं कि वे ग्रैंड स्लैम में खेलने पर विचार कर रह हैं। नडाल ने कहा था कि यदि अमेरिका में आज जैसे ही हालात

बने रहे, तो वे टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर ने तो चोट के कारण इस साल टेनिस खेलने से ही इनकार कर दिया है। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता हालेप के कोच डेरेन काहिल ने कहा कि हालात को देखते हुए सिमोना टूर्नामेंट में नहीं खेलने पर विचार कर रही हैं। वहीं, प्रवक्ता ने बताया- यूएस ओपन की स्थिति में जल्दी बदलाव आ सकता है। मेरा मानना है कि जुलाई में ज्यादातर खिलाड़ी क्लियर कर देंगे कि वे टूर्नामेंट में खेलेंगे या नहीं।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन सफलता के साथ पूरा हो चुका है। 24 मई से होने वाले फ्रेंच ओपन को 13 सितंबर तक के लिए टाल दिया गया है। वहीं, 28 जून से होने वाला विंबलडन टल चुका है। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद पहली बार विंबलडन रद्द किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं के लिये पूर्ण आईपीएल से प्रतिभा खोजने में मदद मिलेगी: जेमिमा रोड्रिग्ज

नयी दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्ज का मानना है कि महिलाओं की पूर्ण इंडियन प्रीमियर लीग से काफी अंतर पड़ सकता है क्योंकि इससे शेफाली वर्मा जैसी प्रतिभाओं को खोजने में मदद मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय टीम को अच्छा प्रदर्शन करने में मजूबती मिलेगी। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे देशों ने महिलाओं के लिये टी20 टूर्नामेंट आयोजित किये ताकि खेल का विकास हो और 19 साल की इस भारतीय का मानना है कि अगर महिला आईपीएल शुरू हो जायेगी तो यहां भी ऐसा ही होगा। रोड्रिग्ज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के '100 क्रिकेट' में कहा, ''अगर आप बिग बैश और कीया सुपर लीग देखो तो इससे आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में खेल का विकास हुआ है और अब तो न्यूजीलैंड ने भी शुरू कर दिया है। आईपीएल निश्चित रूप से खेल का विकास करने में मदद करेगा और इससे नयी प्रतिभायें भी सामने आयेंगी। '' उन्होंने 16 साल की शेफाली का उदाहरण दिया जो आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत काफी चमकी थीं। वह आईपीएल की ही खोज थी। उन्होंने कहा, ''हम आईपीएल के जरिये शेफाली वर्मा को खोज सके, उसने आईपीएल में भी इतना बढ़िया किया था। हम जानते थे कि वह घरेलू सर्किट में अच्छा कर सकती हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के बाद वह किसी भी गेंदबाज से भयभीत नहीं होती। हमें इन मैचों में खेलते हुए कई उभरती हुई प्रतिभायें मिल सकती हैं। ''

फार्मूला ई बर्लिन में छह रेस के साथ होगी बहाल

वाशिंगटन। कोरोना वायरस महामारी के कारण निलंबित हुई फार्मूला ई बर्लिन में छह रेस के साथ बहाल होगी ताकि अपना सत्र खत्म कर सके। फार्मूला ई का कहना है कि रेस पांच से 13 अगस्त तक टेम्पेलहोफ एयरपोर्ट में कराई जायेंगी। प्रत्येक रेस के ट्रैक को थोड़ा अलग बनाया जायेगा ताकि कुछ वैराइटी आये। इन रेस में कोई दर्शक मौजूद नहीं होंगे, सभी का कोरोना वायरस परीक्षण किया जायेगा और साइट पर लोगों की संख्या 1000 तक ही हो सकती है। फार्मूला ई के सत्र में 14 रेस होती हैं। लंदन, न्यूयार्क और पेरिस में इस साल रेस नहीं कराई जायेगी।

लॉकडाउन के दौरान धैर्य में सुधार आया : सविता

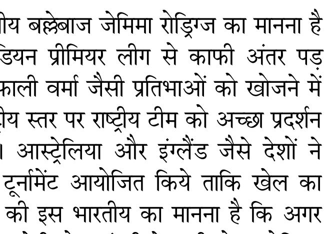

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता ने कहा है कि लॉकडाउन ने उन्हें धैर्य रखना सिखाया है और छोटे लम्हों की भी कद्र करने के कई कारण दिए हैं। हरियाणा के सिरसा की रहने वाली सविता ने कहा- मैं हमेशा से शांतिप्रिय इंसान रही हूं लेकिन मेरे हिसाब से लॉकडाउन के दौरान हमारे धैर्य का स्तर काफी बढ़ा है। बेंगलुरु के साई सेंटर में हम सब अपने साथियों के साथ अच्छा वक्त गुजार रहे हैं जिससे हमें एक-दूसरे के साथ भी जुडने का मौका मिला है। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा- मैंने इस दौरान अपने परिवार को बहुत याद किया है, लेकिन मैं भी बहुत खुश हूं कि वे सभी सुरक्षित और स्वस्थ हैं। एक बार जब मैं घर वापस लौटूंगी तो वह वास्तव में मेरे लिये वह कीमती क्षण होंगे। टीम इंडिया के लिए 12 वर्षों से खेल रही सविता ने यह माना कि उनका सर्वश्रेष्ठ अभी आना बाकी है। अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए सविता ने कहा कि 2016 में रियो ओलंपिक में खेलने का उनका अनुभव उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करेगा। एफआईएच विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर मौजूद भारतीय टीम की खिलाड़ी सविता ने कहा कि मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है और जब मैं यह कहती हूं तो मेरे ऊपर टोक्यो ओलंपिक में अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ दूं ताकि हम रियो ओलंपिक की नाकामी को भुला सकें। उस समय हम नए थे और हमसे कई गलतियां हुई ।

गांगुली के आईपीएल पर आए बयान से खुश इरफान पठान, बोले - मैं काफी उत्साहित हूं

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत के पूर्व आल राउंडर इरफान पठान ने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का इस साल आईपीएल आयोजित करने का बयान क्रिकेटरों के लिए बड़ा आश्वासन लेकर आया है और साथ ही उन्हें लगता है कि आस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप होना काफी मुश्किल होगा। गांगुली ने राज्य संघों को लिखे पत्र में आईपीएल की मेजबानी की इच्छा बताई है जिससे इसके आयोजन की संभावना काफी बढ़ गई है। साथ ही क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) भी इस बात पर जोर दे रहा है कि कोविड-19 महामारी के चलते इस साल टी-20 विश्व कप के आयोजन की संभावना नहीं दिखती। पठान ने एक शो के दौरान कहा- मैंने कल वो बयान पढ़ा कि वे आईपीएल आयोजित कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हर कोई ऐसा होते हुए देखना चाहता है। पठान का मानना है कि कोरोना वायरस पाबंदियों के कारण टी-20 विश्व कप का आयोजन साजो सामान के हिसाब से मुश्किल लगता है। उन्होंने कहा कि कई लोग आस्ट्रेलिया में विश्व कप होने के बारे में बात कर रहे हैं लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता क्योंकि आस्ट्रेलिया में नियमों का काफी सख्ती से पालन किया जाता है। भले ही यह छोटा-सा ही नियम क्यों न हो, वे इसके हिसाब से ही चलते हैं। पठान ने कहा- वे हर हालात का ध्यान रखते हैं। पृथकवास के साथ मैच कराना, बहुत मुश्किल दिखता है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार बीसीसीआई ने आईपीएल के 13वें चरण के लिए 26 सितंबर से आठ नवंबर तक की तारीख पर विचार किया है। पठान ने कहा- इस संबंध में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का बयान कि आईपीएल का आयोजन किसी समय होगा, नहीं बल्कि दुनिया भर के खिलाडियों के लिए अच्छी खबर है। मैं भी इसके लिए उत्साहित हूं। यह भारतीय क्रिकेटरों के लिए ही नहीं बल्कि दुनिया भर के खिलाडियों के लिए अच्छी खबर है। मैं भी इसके लिए उत्साहित हूं। इसने सभी क्रिकेटरों को भरोसा दिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद अगले महीने टी-20 विश्व कप पर फैसला करेगा।

कोविड-19 : श्रीलंका में लौटा क्रिकेट, इस तारीख से होगी लीग की शुरुआत

कोलम्बो/जयपुर (एजेंसी)।

दुनिया में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के बावजूद श्रीलंका में क्रिकेट की वापसी हो रही है और 25 जून से श्रीलंका में टी-10 लीग खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में श्रीलंका के जाने-माने खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। श्रीलंका के ऐतिहासिक और विश्व धरोहर स्थल अनुराधापुरा स्थित समाधि क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें भाग लेंगी। इस 12-दिवसीय टूर्नामेंट में कुल 46 मैच खेले जाएंगे और आठ टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा। अपने घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए शीर्ष श्रीलंकाई-अंतररष्ट्रीय क्रिकेटरों ने सहमति दे दी है। इन खिलाडियों में अजंता मेंडिस, नुवान कुलसेकरा और चामरा सिल्वा जैसे कुछ प्रमुख नाम शामिल हैं। 25 जून से सभी मैचों की स्पोर्ट्सटाइगर एप्लिकेशन 10 पर लाइव और एक्सक्लूसिव प्रस्तुति होगी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड द्वारा स्वीकृत पीडीसी टी-10 लीग में शीर्ष श्रीलंकाई-अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर जैसे अजंता मेंडिस, चामरा सिल्वा, नुवान कुलसेकरा, असेला गुणारत्ने, धम्मिका प्रसाद, सचिंद्र सेनानायका, चामरा कापुगेदरा, तिलन तुषारा मिरांडो और इशारा आमेर सिंघे सहित कई अन्य क्रिकेट खिलाड़ी भाग लेंगे, जिसकी घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण सभी खेल गतिविधियां थमने के बाद अब 12-दिवसीय इस लीग से श्रीलंका में क्रिकेट की वापसी होने जा रही है।

मेस्सी ने फिर दागा गोल, बार्सिलोना की एक और जीत

मैड्रिड । बार्सिलोना ने 99 हजार क्षमता वाले कैंप नोउ स्टेडियम में दर्शकों के बिना खेले गए पहले मैच में अपने स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी के गोल की मदद से लेगानेस को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। बार्सिलोना ने धीमी शुरुआत की लेकिन अन्सु फाती ने 42वें मिनट में गोल करके उसे बढ़त दिला दी। इसके बाद मेस्सी ने 69वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया जो वर्तमान सत्र में लीग में उनका 21वां गोल है। इससे मेस्सी के करियर की कुल गोल की संख्या 699 पर पहुंच गई है। इनमें से 629 गोल उन्होंने बार्सिलोना की तरफ से किए हैं। बार्सिलोना ने इस जीत से अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड पर पांच अंक की बढ़त बना ली है। बार्सिलाना के अब 29 मैचों में 64 अंक जबकि रीयाल के 28 मैचों में 59 अंक हैं। रीयाल अपना अगला मैच गुरुवार को वेलेंसिया के खिलाफ खेलेगा। मेस्सी ने इससे पहले ला लिगा के फिर से शुरू होने पर मालोर्का के खिलाफ बार्सिलोना की 4-0 से जीत में भी गोल किया था। कोरोना वायरस महामारी के कारण ला लिगा मार्च से ठप्प पड़ी थी।

एथलेटिक्स :

उसेन बोल्ट को हराने वाले क्रिस्टियन कोलमैन डोपिंग टेस्ट मामले में निलंबित

न्यूयार्क (एजेंसी)।

मौजूदा विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार क्रिस्टियन कोलमैन को डोपिंग टेस्ट के एक मामले में सस्पैंड कर दिया गया है। दरअसल, डोपिंग परीक्षक कोलमैन का टेस्ट लेने आए थे, वह घर पर नहीं थे। इसके बाद कोलमैन ने बयान टेस्ट लेने वाले प्रबंधकों पर टिप्पणी की। इसके बाद से ही उनपर निलंबन की कार्रवाई चल पड़ी। बता दें कि कोलमैन ने पिछले ही साल 100 मीटर रेस में चैम्पियन धावक उसेन बोल्ट को हराया था। इस 24 वर्षीय अमेरिकी फर्राटा धावक ने तीसरी बार डोपिंग परीक्षण नहीं करवाने को लेकर ट्विटर पर विस्तार से जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि नौ दिसंबर को पिछले 12 महीनों में तीसरा अवसर था जबकि वह परीक्षण नहीं करा पाए जिससे उनका निलंबन हो सकता है। इससे पहले वह 16 जनवरी 2019 और 26 अप्रैल 2019 को भी परीक्षण के लिए उपस्थित नहीं हो पाए थे। कोलमैन ने कहा कि उन्होंने नवीनतम परीक्षण के लिए उपस्थित नहीं हो पाने के बारे में 'एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट' को बताया है। उन्होंने कहा कि इसका कोई रिकार्ड नहीं है कि नौ दिसंबर 2019 को कोई उनके घर पर आया था और अगर उन्हें फोन किया जाता तो वह उस दिन अपने आवास से पांच मिनट की दूरी पर एक मॉल में क्रिसमस की खरीदारी कर रहे थे वह उस दिन अपने आवास से पांच मिनट की दूरी पर एक मॉल में क्रिसमस की खरीदारी कर रहे थे और तुरंत ही घर पहुंच जाते। कोलमैन ने इस पर संदेह जताया है कि डोपिंग परीक्षण के लिए टीम उनके आवास पर नहीं आई थी। कोलमैन ने कहा- उन्होंने (डोपिंग परीक्षण करने वाले) कहा कि घर में दरवाजे की घंटी नहीं बज रही थी तो उन्होंने मुझे फोन क्यों नहीं किया। उन्हें मुझसे संपर्क करने के लिए क्यों नहीं कहा गया। उसने गलत पता डाला है तो क्या पता मेरे घर पर आया भी था या नहीं।

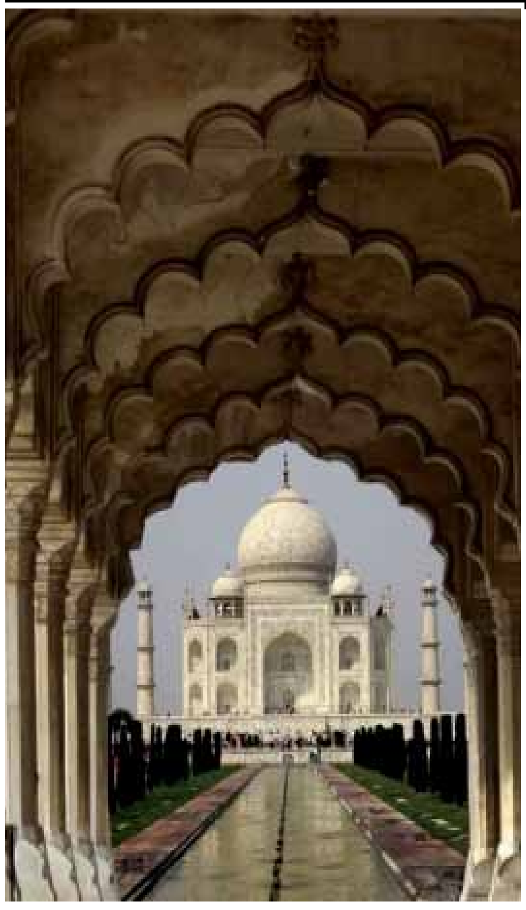

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और दे न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इ ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भंलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नहीं है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किला: जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबाग: यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैस से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल वे गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नह है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजू में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नहीं जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे वे नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबा बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल व एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्या की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जम पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा क दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर ढक दिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लद्दाख में खूनी झड़प पर सोनिया गांधी के सवाल- जवानों की शहादत क्यों हुई, देश को जवाब दें मोदी

नेशनल डेस्क। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लद्दाख में शहीद हुए 20 जवानों को नमन करते हुए बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामने आएं और मौजूदा स्थिति के बारे में सच एवं तथ्यों के आधार पर देश को भरोसे में लें। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह सवाल भी किया कि चीन ने कितने हिस्से पर कब्जा किया है और हमारे जवानों की शहादत क्यों हुई? सोनिया ने एक वीडियो जारी कर कहा कि हमारे 20 जवानों की शहादत ने देश की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया है। मैं इन सभी बहादुर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। साथ ही प्रार्थना करती हूं कि उनके परिवारों को यह दुख सहने की शक्ति मिले। सोनिया ने कहा कि आप सब जानते हैं कि पिछले डेढ़ महीने से चीन की सेना ने लद्दाख में भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रखी है। जब देश में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है तो प्रधानमंत्री को सामने आकर यह बताना चाहिए कि चीन ने हमारी सरजमीं पर कब्जा कैसे किया और 20 सैनिकों की शहादत क्यों हुई?' कांग्रेस की शीर्ष नेता ने प्रधानमंत्री से यह सवाल भी किया कि आज की स्थिति क्या है? क्या हमारे कोई सैन्य अधिकारी या सैनिक अब भी लापता हैं? हमारे कितने अधिकारी और सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं? चीन ने हमारे कितने हिस्से पर और कहां-कहां कब्जा कर रखा है? इस परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार की नीति क्या है?'' सोनिया ने कहा कि हम विश्वास दिलाते हैं कि संकट की इस घड़ी में कांग्रेस देश की सेना, सैनिकों, सैनिकों के परिवारों और सरकार के साथ खड़ी है। मुझे उम्मीद है कि पूरा देश एकजुट होकर इस संकट का मुकाबला करेगा।

शाह के कमान संभालते ही दिल्ली कोरोना का सच सामने आना शुरू : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और अरविंद केजरीवाल के पूर्व निकटतम सहयोगी कपिल मिश्रा ने बुधवार को मुख्यमंत्री केजरीवाल पर दिल्ली में कोरोना वायरस से मौतों की संख्या को लेकर हमला बोलते हुए कहा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मोर्चा संभालते ही सच सामने आना शुरू हो गया। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को राजधानी में संक्रमण से मौतों की जो संख्या जारी की उसमें पिछले 24 घंटों में 437 का इजाफा दिखाया गया। सोमवार को कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या 1400 बताई गई थीं। सरकार ने 437 मौतों में से 93 पिछले 24 घंटों में हुई बताई थीं जो एक दिन में संक्रमण से मरनेवालों की रिकॉर्ड संख्या थी। शेष मौतें पहले की बताई गई हैं। दिल्ली में कोरोना से अब तक 1837 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। मिश्रा ने कहा वह एक मई से ही कह रहे थे कि दिल्ली सरकार कोरोना से मरनेवालों की संख्या छिपा रही है तो इसे राजनीति करार दिया गया। उन्होंने कहा श्री शाह के मोर्चा संभालते ही सच सामने आना शुरू हो गया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बारे बिगड़ते हालात को देखते हुए श्री शाह ने रविवार को कमान अपने हाथ में ली और तबाड़तोड़ बैठकों के साथ ही कोविड-19 के उपचार के लिये दिल्ली सरकार के सबसे बड़े लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल का दौरा भी किया। श्री मिश्रा ने कहा सरकार ने पांच दिन में पुरानी छिपाई गई एक हजार मौतों की जानकारी दी। इनमें से 16 जून को ही एक दिन में 437 मौतें बताई गईं। इनमें से पिछले 24 घंटों की 93 और 344 पहले की छिपाई गई मौतें शामिल हैं।

भाजपा शासित दिल्ली के तीनों नगर निगमों के नेताओं ने 11 जून को संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि राजधानी में कोरोना वायरस पीड़ित 2098 मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया है। दिल्ली सरकार के दस जून तक के आंकड़ों में मृतकों की संख्या 984 ही बताई गई थी। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के मामले में दिल्ली तीसरे नंबर पर है और मंगलवार तक यहां 44 हजार 688 मामले सामने आ चुके हैं।

चीनी सेना के दुस्साहस पर मोदी ने मौन साध लिया हैः सुरजेवाला

जयपुर। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसकी खामियों एवं नाकामियों की वजह से चीनी सेना के हमले में हमारे सैनिकों की शहादत का यह दुखद दिन देश को देखना पड़ा हैं। सुरजेवाला ने आज यहां प्रेस वार्ता में कहा कि चीनी सेना के इस दुस्साहस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनकी सरकार ने मौन साध लिया है। देश को उम्मीद नहीं थी कि 40 दिनों की दिल्ली के हुक्मरानों की सरकारी चुप्पी का परिणाम इतना हृदय विदारक होगा और केंद्र की भाजपा सरकार की खामियों और नाकामियों की वजह से हमारे सैनिकों की शहादत का यह दुखद और वेदना भरा दिन देश को देखना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चीनी सेना द्वारा हमले में देश के सैन्य अधिकारी सहित 20 जवानों की शहादत से पूरे देश में भारी रोष है, गंभीर चिंता एवं व्यग्रता है। देश को हमारे वीर सपूतों के शौर्य पर गर्व है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे भारत मां की अस्मिता की रक्षा की है। भारत के साहसी सैनिकों पर हमें नाज़ है, जो सीना ताने आज भी दुश्मनों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी एवं पूरा प्रतिपक्ष बार बार केंद्र सरकार से गुहार लगाते रहे, आगाह करते रहे कि कुछ बताईये कि आखिर सीमा पर परिस्थितियां क्या हैं, चीन की सेना हमारी सरहदों में कहां तक घुस आई है। हमारी कितनी जमीन हड़प ली गई है।

फेमस 'गोकुल चाट' का मालिक निकला कोरोना पॉजिटिव, सभी कर्मचारी क्वारंटाइन

नेशनल डेस्क। हैदराबाद में अपनी चाट के लिए मशहूर 'गोकुल चाट' दुकान को उसके मालिक के से संक्रमित पाए जाने के बाद अस्थायी रूप से बंद किया गया है। साल 2007 में हुए बम धमाकों में जिन दो स्थानों को निशाना बनाया गया था, उनमें से यह दुकान भी एक थी। उन धमाकों में 44 लोगों की जान गई थी और 68 लोग घायल हुए थे। पुलिस ने बताया कि दुकान मालिक के संक्रमित पाए जाने के बाद प्रबंधन ने यह फैसला किया। दुकान के मालिक को काफी समय से निमोनिया था और 13 जून को उसे यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच में उसके कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। हालांकि दुकान का मालिक 8 जून से दुकान पर नहीं आ रहा था, लेकिन फिर भी कर्मचारियों को क्वारंटाइन में रहने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि दुकान मालिक के परिवार के नमूने भी कोरोना जांच के लिए भेजे गए हैं।

भारत-चीन की हिंसक झड़प में 23 वर्षीय गुरतेज सिंह शहीद, 2 साल पहले ही फौज में हुए थे भर्ती

बुढलाडा (एजेंसी)। लद्दाख़ की गलवान घाटी में सोमवार रात को भारत और चीन फौजियों बीच हुई हिंसक झड़प में देश के 20 जवान शहीद हो गए। इनमें से 1 बुढलाडा हलके गाँव बीरेवाल डोगरा के गुरतेज सिंह (22) पुत्र विरसा सिंह भी शामिल है। जिस ने हमेशा देश को परिवार से पहले रखा। इसी कारण गुरतेज सिंह अपने बड़े भाई गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी के विवाह में शामिल नहीं हो सका था। गुरतेज सिंह ने आखिरी बार 20 दिन पहले परिवार के साथ फ़ोन पर बात की थी और बताया थी कि हमें सरहद पर ले जाया जा रहा है। इसलिए इसके बाद गुरतेज का परिवार के साथ संपर्क नहीं हो सका था। आखिरी बार फ़ोन काल पर गुरतेज की परिवार के साथ लंबी बात हुई थी और उस ने कहा थी कि आप मेरी चिंता न करना। गुरतेज ने भाई गुरप्रीत के विवाह की बात करते कहा था कि वह जल्द आऐगा और घर में नई भाभी को भी मिलेगा। पिता विरसा सिंह ने बताया कि गुरतेज सबसे छोटा था। उसकी शुरू से ही देश की सेवा करने की इच्छा थी, जो दो साल पहले ही फ़ौज में भर्ती होने से पूरी हुई थी। तीन भाइयों में शहीद गुरतेज सिंह सबसे छोटा भाई था। गुरतेज सिंह के शहीद होने की ख़बर उनके पिता विरसा सिंह को आज सुबह प्राप्त हुई। गुरतेज सिंह के शहीद होने की ख़बर उनके पिता विरसा सिंह को आज सुबह प्राप्त हुई। परिवार को यह सूचना जम्मू - कश्मीर से आए मोबायल फोन कॉल के जरिए प्राप्त हुई कि आपका गुरतेज सिंह शहीद हो गया। गुरतेज के शहीद होने की खबर सुनते ही परिवार टूट गया और उनकी माता प्रकाश कौर बेहोश हो गई।

घर में भाई गुरप्रीत सिंह के विवाह का माहौल गम में बदल गया। खबर इलाके में आग की तरह फैल गई। गाँव के पंच सुरजीत सिंह ने बताया कि शहीद फ़ौजी की मृतक देह आने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जायेगा। इस मौके एसएसपी भी परिवार को सांत्वना देने पहुंचे।

पीएम मोदी की चीन को चेतावनी- देश के जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के साथ संघर्ष में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। पीएम मोदी ने चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि हम उकसाने पर उचित जवाब देना जानते हैं । पीएम मोदी ने कहा कि लद्दाख में मारते-मारते शहीद हुए भारत के वीर जवान। भारत कभी अपनी अखंडता से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कहा कि हमने हमेशा ही प्रयास किया है कि मतभेद विवाद न बनें। हम कभी किसी को भी उकसाते नहीं हैं। लेकिन हम अपने देश की अखंडता और संप्रभुता के साथ समझौता भी नहीं करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी समय आया है हमने देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि मैं देश को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देंगे। भारत शांति चाहता है लेकिन भारत उकसाने पर हर हाल में यथोचित जवाब देने में सक्षम है।

चीन ने गलवान वैली पर जताया अपना हक, कहा- यह हमेशा से हमारा हिस्सा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)। चीन ने पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी और भारतीय सेना के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद बुधवार को दावा किया कि घाटी की सम्प्रभुता ''हमेशा से उसी की रही है। भारत ने मंगलवार को कहा था कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प क्षेत्र में यथास्थिति को एकतरफा तरीके से बदलने के चीनी पक्ष के प्रयास के कारण हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूर्व में शीर्ष स्तर पर जो सहमति बनी थी, अगर चीनी पक्ष ने गंभीरता से उसका पालन किया होता तो दोनों पक्षों को हुए नुकसान से बचा जा सकता था। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने सोमवार रात को हुई झड़प में चीनी पक्ष के 43 जवानों के हताहत होने संबंधी रिपोर्टों पर टिप्पणी करने से संवाददाता सम्मेलन में इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि सीमा पर बल प्रासंगिक मामलों से निपट रहे हैं। प्रवक्ता से सवाल किया गया कि भारत ने हताहतों की संख्या जारी कर दी है, लेकिन चीन अपने हताहत जवानों की संख्या क्यों नहीं बता रहा है, इसके जवाब में झाओ ने कहा कि मैंने कहा कि चीनी और भारतीय सीमा बल प्रासंगिक मामले से मिलकर जमीनी स्तर पर निपट रहे हैं। फिलहाल मुझे इस बारे में और कुछ नहीं कहना है। झाओ ने कहा कि चीन एवं भारत की सीमा पर स्थिति को लेकर दोनों पक्ष संवाद के जरिए राजनयिक एवं सैन्य माध्यमों से इसे सुलझा रहे हैं।

दिग्गज वैज्ञानिक माधवन नायर ने इसरो को चेताया, किसी भी ढांचागत बदलाव पर जरूर विचार करें

नेशनल डेस्क(एजेंसी)। दिग्गज अंतरिक्ष वैज्ञानिक जी माधवन नायर ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में किसी प्रकार के ढांचागत बदलाव के प्रति चेताया है। इस दौरान उन्होंने देश की अंतरिक्ष एजेंसी और एलन मस्क की स्पेसएक्स के बीच काम पूरा करने की शानदार क्षमता के लिए ये एकीकृत कमान होने के मामले में समानता का जिक्र किया। इसरो के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि हाल में कुछ मीडिया रिपोर्ट में औद्योगिक भागीदारी करने को लेकर भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के अप्रभावी होने की खबरें आईं और इस क्षेत्र में अधिक विस्तार के लिए ढांचा में संभावित बदलाव का सुझाव दिया गया। उन्होंने कहा कि लोगों को अब तक हुए विकास और विस्तार के बारे में तथ्यात्मक स्थिति जानने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इसरो सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला सरकारी संगठन है, जिसने बेहद अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भी पूर्णतः स्वदेशी तरीके से महारत हासिल की और समय से अंतरिक्ष मिशन को अंजाम देकर आम लोगों की आवश्यकताओं और सुरक्षा जरूरतों का भी खयाल रखा। नायर ने कहा कि यह दूरगामी दृष्टिकोण है जिसने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष ताकतों के बीच अग्रिम कतार में जगह हासिल करने में सक्षम बनाया है। हाल ही में सरकार ने कहा था कि निजी क्षेत्रों को इसरो के प्रतिष्ठानों और सुविधाओं का इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाएगी और उन्हें उपग्रह, प्रक्षेपण और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं में समान अवसर दिया जाएगा। नायर ने कहा कि स्पेसएक्स को निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहन विकास के क्षेत्र में सफलता की कहानी के तौर पर देखा जाता है और ऐसा है भी। उन्होंने अमेरिका में अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि नासा के कार्यक्रमों के कुप्रबंधन की वजह से निजी क्षेत्र को लाभ मिला। उन्होंने कहा कि एलन मस्क की स्पेसएक्स और इसरो के बीच समानता पर गौर करना दिलचस्प है।

दोनों के पास एक ही कमान के तहत एकीकृत प्रणाली है और दोनों एक छत/उत्पादन अवधारणा से चलते हैं और बाहर के उत्पादन पर लगभग नहीं के बराबर निर्भर हैं। दोनों के पास एक ही कमान के तहत एकीकृत प्रणाली है और दोनों एक छत/उत्पादन अवधारणा से चलते हैं और बाहर के उत्पादन पर लगभग नहीं के बराबर निर्भर हैं।

गिरफ्तारी के चंद मिनटों के बाद ही मिल गई सोनाली फोगाट को जमानत

हिसार । भाजपा नेत्री सोनाली फोगाट व मार्केट कमेटी के सचिव सुल्तान सिंह के बीच हिसार के बालसमंद अनाज मंडी में हुए विवाद के मामले ने इस समय जबरदस्त तूल पकड़ा हुआ है। इस मामले में आज हिसार पुलिस सोनाली फोगाट को अपने साथ पूछताछ के लिए ले कर गई। सोनाली फोगाट को पुलिस ने मजिस्ट्रेट पुष्पा की कोर्ट में पेश किया, जिसके बाद सोनाली की जमानत भी मंजूर हो चुकी है। सोनाली को वकील सुनील जाखड़ ने जमानत के लिए अदालत में दलील दी कि सोनाली का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। सोनाली विधानसभा चुनाव भी लड़ चुकी हैं, उनकी छवि साफ रही है, इसलिए सोनाली पर लगे आरोपों को तय करने के लिए ट्रायल चलाया जाए। वहीं सचिव सुल्तान के वकील ने महेन्द्र सिंह नैन ने सोनाली पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप, सरकारी कर्मचारी से मारपीट के आरोप लगाए, जो गैर जमानती धाराएं हैं। इस मामले में सोनाली के पीए सुधीर को भी जमानत मिली है, साथ ही मार्केट कमेटी सचिव के साथ मारपीट करने वाले चार आरोपियों आशीष, अमित, नवीन, सुभाष को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान सीसीटीवी फुटेज में मारपीट की वीडियो वायरल हुई थी, उसके बाद हुई थी। मार्केट कमेटी सचिव सुल्तान सिंह की शिकायत पर सोनाली फोगाट व उनके साथियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 149, 332, 353, 186 व 506 के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं सोनाली फोगाट की शिकायत पर मार्केट कमेटी सचिव सुल्तान सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 व 509 के तहत मामला दर्ज किया है । थप्पड़ कांड मामले में सोनाली थप्पड़ कांड मामले में सोनाली की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदेश भर में मंडी कर्मियों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया था। वहीं जींद की बिनैन खाप भी सोनाली की गिरफ्तारी के लिए भरपूर दबाव प्रशासन पर बनाया था।

संक्षिप्त समाचार

नक्शा विवादः नेपाल गुरुवार को संसद में संशोधन विधेयक करेगा पास

इंटरनेशनल डेस्क। चीन की शह पर नए नक्शे को लेकर नेपाल ने भारत के खिलाफ अगला कदम तैयार कर लिया है। नेपाल सरकारद्वारा संसद के ऊपरी सदन में नक्शे से जुड़ा संशोधन विधेयक गुरुवार को 11 बजे पारित किया जाएगा। विधेयक पारित होने से पहले उस पर चर्चा की जाएगी। संशोधन विधेयक पहले बुधवार को पारित किया जाना था लेकिन अब इसे गुरुवार तक के लिए बढ़ा दिया गया है। माना जा रहा है कि भारत-चीन के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद नेपाल ने 16 जून को अपना संशोधन विधेयक पारित करने का फैसला टाल दिया। इससे पहले मंगलवार को मिली जानकारी के आधार पर कहा जा रहा था कि नेपाली संसद के ऊपरी सदन में बुधवार 16 जून को 3 बजे नक्शे से जुड़ा विधेयक पारित किया जाएगा व इससे पहले इस पर बहस भी होगी, लेकिन अब इस कार्यवाही को एक दिन आगे बढ़ा दिया गया है। अब यह बिल 17 जून को 11 बजे पारित करने का ऐलान हुआ है. बता दें कि भारत के विरोध के बावजूद नेपाल की प्रतिनिधिसभा में नए नक्शे को मंजूरी दी गई है। नक्शे में भारतीय जमीन को शामिल किया गया है। नेपाल की प्रतिनिधि सभा ने 13 जून को नक्शे से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी। संसद में चर्चा के दौरान लगभग सभी दलों ने इस पर सहमति जताई । नेपाल में इस विधेयक के बाद एक नए राजनीतिक-प्रशासनिक नक्शे को राष्ट्रीय प्रतीक में शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। इस नक्शे में भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को शामिल किया गया है। इस मामले में भारत ने कहा है कि जब नेपाल नक्शे में विवादित संशोधन का प्रस्ताव अपनी संसद में पेश करने जा रहा था, तो उससे पहले भारत ने दोनों देशों के बीच विदेश सचिव स्तर की वार्ता का प्रस्ताव दिया था। लेकिन नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने अपनी संसद को इस बात की जानकारी नहीं दी। नेपाल का दावा है कि बातचीत की पेशकश हमारी ओर से हुई थी, लेकिन भारत ने इसका कोई जवाब नहीं दिया।

साम्बा में आईटीबीपी जवान सहित 7 लोग कोरोना पाजिटिव

साम्बा । साम्बा जिले में मंगलवार को 7 नए मामले सामने आने से कोरोना पाजिटिव मरीजों की संख्या 112 होगई। आज पाजिटिव पाए गए लोगों में एक आईटीबीपी का जवान शामिल है जो साम्बा के ननेतर कर रहने वाला है और गत दिनों शिमला से लौटने के बाद विजयपुर के अखिलेश फार्म में कवारंटीन किया गया था। इसके अलावा 6 अन्य लोगों की रिपोर्ट भी पाजिटिव आई जो जिले के अलग-अलग कवारंटीन सेंटरों में रखे गए थे। वहीं गत पाजिटिव पाए गए बड़ी-ब्राहमणा के एक बच्चे व एक महिला को रिकवर होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

बेटे की अस्थियां लेकर पटना पहुंचे सुशांत सिंह राजपूत के पिता, गंगा में की जाएंगी प्रवाहित

पटना। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के पिता केके सिंह अपने बेटे की अस्थियों को लेकर पटना पहुंच चुके हैं। अब उन अस्थियों को गंगा में प्रवाहित किया जाएगा। सुशांत सिंह ने रविवार को मुंबई के एक फ्लैट में सुसाइड कर लिया था, जिसके बाद सोमवार को मुंबई के विले पार्ले स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया था। अंतिम संस्कार में सुशांत के पिता, बहन, चचेरे भाई और भाजपा के विधायक नीरज कुमार बब्लू भी साथ गए थे। सुशांत के अंतिम संस्कार में कई मशहूर अभिनेता भी शामिल हुए थे। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत से उनके फैंस सहित तमाम लोग सदमे में हैं। कई लोगों के द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि सुशांत से 7 फिल्में छिन ली गई थी, जिसके कारण वह डिप्रेशन में चले गए। बिहार के एक वकील ने करण जौहर, सलमान खान सहित 8 लोगों पर मुजफ्फरपुर के सीजेएम कोर्ट में केस दर्ज करवा दिया है।

बाबा सिद्ध गौरिया के महंत गिरधारी नाथ हुए ब्रहमलीन

साम्बा । स्वांखा में स्थित नाथ पंथ के पवित्र देवस्थान बाबा सिद्ध गौरिया के महंत गिरधारी नाथ जी मंगलवार को देह त्याग कर ब्रहमलीन होगए। महंत गिरधारी नाथ जी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धाल मंदिर में पहुंचे और महंत के अंड्क्षतम दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह 8 बजे मंदिर परिसर में पूर्व महंतों की तरह ब्रहमलीन हुए महंत गिरधारी नाथ जी को नाथ परंपरा के अनुसार भू-स्माधि दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को निर्देश-डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को जल्द दी जाए पूरी सैलरी

नेशनल डेस्क। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से कहा कि वह कोरोना के मरीजों का उपचार कर रहे डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के वेतन का भुगतान करने और उन्हें आवश्यक अलग रहने की जगह उपलब्ध कराने के लिए राज्यों को निर्देश दे। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने डा आरूषि जैन की याचिका पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के वेतन के भुगतान और उनके लिए आवश्यक क्वारंटाइन की व्यवस्था करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि कोरोना के मरीजों का इलाज और देखभाल कर रहे चिकित्सकों तथा स्वास्थ्यकर्मियों को क्वारंटाइन में रहने की सुविधा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र को चार हफ्ते में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सैलरी व रहने की जगह के बारे में हलफनामा दाखिल करने को कहा। साथ ही कोर्ट ने केंद्र को चेताया कि आदेशों का पालन नहीं होने पर कड़ा रुख अपनाया जाएगा। पीठ एक प्राइवेट डॉक्टर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कोरोना के खिलाफ जंग में पहली कतार के योद्धाओं को वेतन नहीं दिया जा रहा या फिर वेतन में कटौती की जा रही है अथवा इसके भुगतान में विलंब किया जा रहा है। यही नहीं, इस डॉक्टर ने 14 दिन के क्वारंटाइन की अनिवार्यता खत्म करने संबंधी केन्द्र के नए दिशानिर्देश पर भी सवाल उठाए थे।

ट्रंप ने पुलिस सुधारों संबंधी आदेश पर किए हस्ताक्षर, नस्लवाद का नहीं किया जिक्र

न्यूयार्क।

अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद राष्ट्रीय स्तर पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुलिस सुधारों संबंधीएक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह आदेश बेहतर पुलिस कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करेगा। हालांकि, ट्रंप ने पुलिस कार्रवाई में काले पुरुषों एवं महिलाओं की हत्या के बाद नस्लवाद को लेकर देशभर छिड़ी बहस का कोई जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने रोज गार्डन में आदेश पर हस्ताक्षर करने के लिए आयोजित समारोह से पहले पुलिस कार्रवाई में मारे गए कई काले अमेरिकियों के परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। ट्रंप ने कहा कि वह लोगों की मौत होने और शोक संतप्त परिवारों के लिए दुःख प्रकट करते हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपना लहजा बदलते हुए कहा कि ''हमारी रक्षा करने वाली पुलिस'' के बहादुर पुरुषों एवं महिलाओं को सम्मान एवं समर्थन दिए जाने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि ''भरोसेमंद'' पुलिसकर्मियों के बीच अत्यधिक बल प्रयोग करने वाले पुलिसकर्मियों की संख्या ''बहुत कम'' है। ट्रंप ने कहा, ''अपराध कम करना और मानकों में सुधार विरोधाभासी लक्ष्य नहीं हैं।'' ट्रंप ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान हिंसा करने वाले लोगों की निंदा की और लोगों की निस्स्वार्थ सेवा करने वाले पुलिसकर्मियों की प्रशंसा की। ट्रम्प के शासकीय आदेश के तहत एक ऐसा डेटाबेस तैयार किया जाएगा, जो उन पुलिस अधिकारियों की जानकारी रखेगा, जिनके खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग की शिकायतें हैं।

ब्रिटेन ने भारत-चीन सीमा विवाद पर दी प्रतिक्रिया, हिंसक कार्रवाई पर उठाया सवाल

लंदन।

भारत-चीन सीमा विवाद पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन की प्रतिक्रिया सामने आई है। ब्रिटिश उच्चायोग के एक प्रवक्ता ने भारत-चीन सीमा पर चीनी सैनिकों द्वारा की गई हिंसक झड़प पर सवाल उठाते कहा कि हिंसा किसी भी मसले का हल कभी नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहाकि भारत-चीन के हालात बेशक गंभीर मोड़ पर हैं लेकिन दोनों देशों को बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने का प्रयास करना चाहिए । इससे पहले अमेरिका ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उसकी भारत-चीन के बीच चल रहे हर घटनाक्रम पर पैनी नजर है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और वह उम्मीद करता है कि विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से हल कर लिया जाएगा। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा,''वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन की सेनाओं के बीच हालात पर हम करीब से नजर रख रहे हैं।'' उन्होंने कहा,''भारतीय सेना ने घोषणा की है कि उसके 20 सैनिक मारे गए हैं। हम उनके परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।'' प्रवक्ता ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही देशों ने तनाव कम करने की इच्छा जताई है और अमेरिका वर्तमान हालात के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है। बता दें कि भारत इस समय एक तरफ नेपाल और दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ अपने मामलों को सुलझाने के प्रयास कर रहा है। इस बीच चीन के साथ हुई हिंसक झड़प के बाद भारत सख्त कदम उठाने को मजबूर हो सकता है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि चीन खुद तो सीमा विवाद पर भारत को घेरने की कोशिश कर ही रहा है बल्कि नेपाल और पाकिस्तान को भारत विरोधी कार्रवाईयों के लिए ।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले 1,50,000 के पार, मृतकों की संख्या 2,975 हुई

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले 1,50,000 के पार चले गए हैं, जबकि 136 लोगों की मौत के साथ ही मृतकों की संख्या 2,975 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि कोविड-19 के लिए अब तक 950,782 लोगों की जांच की गई है जिनमें से 28,117 जांच पिछले 24 घंटों में की गई। मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटों में 5,839 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इसके साथ ही सक्रमितों की कुल संख्या 154,760 हो गई है। उसने कहा कि देश में एक दिन में कोविड-19 से रिकॉर्ड 136 लोगों की मौत हुई है। इस संक्रामक रोग से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,975 हो गई है। पंजाब में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 58,239 मामले सामने आए।

इसके बाद सिंध में 57,868, खैबर-पख्तूनख्वा में 19,107, इस्लामाबाद में 9,242, बलूचिस्तान में 8,437, गिलगित-बाल्तिस्तान में 1,164 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 703 लोग संक्रमित पाए गए हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस विषाणु को फैलने से रोकने के लिए सिंध प्रांत द्वारा उठाए कदमों का जायजा लेने के लिए कराची का दौरा किया।

कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बीच बीजिंग ने सैकड़ों विमान, ट्रेनें रद्द कीं

बीजिंग।

बीजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के 31 नए मामले सामने आने के बाद चीन की राजधानी में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 137 हो गई है और संक्रमण के मामले लगातार बढ़ने के मद्देनजर यहां सैकड़ों घरेलू उड़ानें एवं ट्रेनें रद्द कर दी गईं और 90,000 लोगों की जांच की जा रही है। आधिकारिक मीडिया ने बताया कि बीजिंग में दो हवाईअड्डों ने 1,255 घरेलू उड़ान रद्द की हैं। बीजिंग में अभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नहीं चल रही हैं। राष्ट्रीय रेलवे संचालक ने उन यात्रियों को बिना कोई अतिरिक्त शुल्क वसूले टिकट के पैसे लौटाने की घोषणा की है, जिन्होंने मंगलवार तक बीजिंग आने या जाने के लिए टिकट खरीदे हैं। खबरों के अनुसार, बीजिंग में बुधवार से प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई आरंभ होगी और कॉलेज छात्रों के परिसर बंद कर दिए हैं। बीजिंग ने पुस्तकालयों, संग्रहालयों और उद्यानों में उनकी क्षमता से 30 प्रतिशत से अधिक लोगों को प्रवेश नहीं देने को कहा है। बीजिंग ने आपात स्थिति से निपटने की कार्रवाई तेज कर दी है और इसे स्तर तीन से बढ़ाकर स्तर दो कर दिया है। शहर पिछले छह दिन में शिनफादी थोक बाजार गए 90,000 लोगों की भी जांच कर रहा है।

शहर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सचेत किया कि हालात ''बहुत गंभीर'' है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बुधवार को बताया कि चीनी मुख्यभूमि पर मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 55 नए मामले सामने आए, जिनमें से 11 लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं दिख रहे हैं। एनएचसी ने बताया कि घरेलू स्तर पर संक्रमण के मामले में बीजिंग में 31, हुबेई में एक और झेजियांग में एक मामला दर्ज किया गया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के चुने जाने से पाकिस्तान पर नहीं पड़ेगा असर : कुरैशी

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच अस्थायी सीटों के लिए चुनाव के एक दिन पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने मंगलवार को कहा कि 15 सदस्यीय परिषद में भारत को अस्थायी सीट मिलना 'नियमित प्रक्रिया' है और इससे पाकिस्तान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के तौर पर जुड़ने वाला है । इसके लिए बुधवार को चुनाव होगा । भारत 2021-22 कार्यकाल के लिए एशिया-प्रशांत श्रेणी से अस्थायी सीट के लिए उम्मीदवार है। समूह से एकमात्र सीट के लिए अकेले उम्मीदवार होने के नाते भारत को जीत मिलने वाली है । कुरैशी ने संसद में यह टिप्पणी की । अकेले उम्मीदवार होने के नाते भारत को जीत मिलने वाली है । कुरैशी ने संसद में यह टिप्पणी की । अकेले उम्मीदवार होने के नाते भारत को जीत मिलने वाली है । कुरैशी ने संसद में यह टिप्पणी की । पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के ख्वाजा आसिफ ने कहा कि यूएनएससी में भारत की सदस्यता पर उन्हें बयान देना चाहिए । आसिफ की टिप्पणी पर कुरैशी ने कहा कि भारत को स्थायी सीट मिलने को लेकर उन्होंने बात नहीं की थी, लेकिन अस्थायी सीट के लिए चुनाव हो रहा है, जो कि 'नियमित प्रक्रिया' है ।

सनकी किंग ने द. कोरिया से सुलह के सभी रास्ते किए बंद, ऐतिहासिक समझौते तोड़े

प्योंगप्यांग।

उत्तर कोरिया ने दो साल पहले दक्षिण कोरिया के साथ हुए सुलह संबंधी ऐतिहासिक समझौतों तोड़ते हुए बुधवार को कहा कि वह अब बंद हो चुके अंतर-कोरियाई सहयोग स्थलों पर सैनिकों की फिर से तैनाती करेगा, गार्ड चौकियों को पुनः स्थापित करेगा और अग्रिम इलाकों में सैन्य अभ्यास बहाल करेगा। इस घोषणा से एक दिन पहले उत्तर कोरिया ने अटकी पड़ी परमाणु कूटनीति के बीच अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के लिए अपना आक्रोश जताते हुए अंतर-कोरियाई संपर्क कार्यालय नष्ट कर दिया। परमाणु वार्ता 2018 में शुरू किए जाने के बाद से यह उत्तर कोरिया की ओर से सबसे अधिक उकसावे वाली कार्रवाई है। उत्तर कोरिया के जनरल स्टाफ ने कहा कि रेजीमेंट स्तरीय ईकाइयों और सशस्त्र ईकाइयों को डायमंड माउनटेन रिजॉर्ट और केसोंग औद्योगिक परिसर में तैनात किया जाएगा जो उत्तरी सीमा पर स्थित हैं। किसी वक्त अंतर-कोरियाई सहयोग का प्रतीक रहे ये स्थल उत्तर कोरिया पर उसके परमाणु कार्यक्रम के लिए लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण बंद थे। उत्तर कोरिया ने कहा कि वह सीमावर्ती इलाकों में सैन्य अभ्यास बहाल करेगा और गार्ड चौकियों को पुनः स्थापित करेगा।

उसके इन कदमों से अंतर-कोरियाई कूटनीति के दौरान हुए 2018 के समझौते रद्द हो जाएंगे जिनका मकसद सीमावर्ती इलाकों में सैन्य तनाव कम करना था। दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरियाई सेना के बयान में अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि वह उत्तर कोरिया की भविष्य में उकसावे वाली कार्रवाइयों से मजबूती से निपटेगा।

चीन में कोरोना की दूसरी लहर से दहशतः 1255 फ्लाइटें रद्द, दो लेवल तक बढ़ा अलर्ट

बीजिंग।

दुनिया को कोरोना वायरस महामारी का तोहफा देने वाले चीन में अब वायरस की दूसरी लहर शुरू होने के बाद दहशत का माहौल है। कोरोना का वजह से एक बार फिर यहां हालात खराब हो रहे हैं और 2 लेवल का अलर्ट बढआ दिया गया है। पिछले दस दिनों में बीजिंग में संक्रमण के कई नए मामले सामने आने के बाद चीन ने कई विमानों को रद्द करने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग एयरपोर्ट से करीब 1255 फ्लाइट को रद्द कर दिया गया है। बता दें कि इस हफ्ते में बीजिंग में कोरोना वायरस के 150 के करीब मामले सामने आए हैं, जिसकी शुरुआत एक बाजार से हुई थी। इसी के बाद से ही चीन अलर्ट पर है और इसे कोरोना वायरस की दूसरी वेव माना जा रहा है। दिसंबर 2019 में कोरोना वायरस की शुरुआत चीन में ही हुई थी, तब वुहान में शुरुआती मामले सामने आए थे। फरवरी तक चीन में लगातार कोरोना वायरस के मामले आए, लेकिन उसके बाद लगातार रफ्तार घटती गई। मार्च में करीब 84 हजार मामलों के बीच चीन में नए मामले आने कम हो गए थेय़इसी के बाद चीन ने धीरे-धीरे देश को लॉकडाऊन फ्री किया था। पहले वुहान और फिर बाकी इलाका खोला गया लेकिन अब इस हफ्ते की शुरुआत में पहले बीजिंग के एक बाजार में 36 नए केस सामने आए, जिसके बाद मार्केट बंद की गई और टेस्ट की रफ्तार बढ़ाई गई। में अब तक करीब 150 नए मामले सामने आ चुके हैं। नई वेव के बाद चीन में अब तक करीब 150 नए मामले सामने आ चुके हैं। बीजिंग प्रशासन ने अब कोरोना के अलर्ट को 2 लेवल तक बढ़ा दिया है, साथ ही बीजिंग से सटे कई इलाकों में अलर्ट जारी किया है। इसके बाद भीड़ वाले बाजार, स्कूल, हाईस्कूल दोबारा बंद कर दिए गए हैं।

चीन के सरकारी मीडिया का दावा- गलवान घाटी पर चीन की संप्रभुता

बीजिंग। चीन की सरकारी मीडिया ने मंगलवार को चीनी सेना के हवाले से दावा किया कि गलवान घाटी क्षेत्र पर उसकी ''हमेशा%% संप्रभुता रही है और आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने ''जानबूझकर उकसाने वाले हमले किए जिस कारण ''गंभीर संघर्ष हुआ और सैनिक हताहत हुए। पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच सोमवार को हुई झड़प पर पहली प्रतिक्रिया के तहत चीन की मीडिया ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की पश्चिमी थियेटर कमान के प्रवक्ता कर्नल झांग शुइली के हवाले से कहा, ''चीन की हमेशा से गलवान घाटी पर संप्रभुता रही है। कर्नल शुइली के हवाले से पीएलए के बयान पर भारतीय पक्ष की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। झांग ने दावा किया, ''भारतीय सैनिकों ने अपने वादे तोड़े और सोमवार को एक बार फिर गलवान घाटी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार किया और जानबूझकर उकसाने वाले हमले किए, जिससे गंभीर संघर्ष हुआ और सैनिक हताहत हुए। भारतीय पक्ष की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीन के सैनिकों के साथ हिंसक संघर्ष में भारतीय सेना के एक अधिकारी सहित 20 जवान शहीद हो गए। जबकि चीनी पक्ष की तरफ भी 43 चीनी सैनिकों के भी मारे जाने व हताहत होने की खबर है। पिछले 45 वर्षों में इस तरह की यह पहली घटना है और यह संवेदनशील क्षेत्र में पिछले पांच हफ्ते से चल रहे व्यापक तनाव का संकेत देती है। पीएलए ने बयान में दावा किया, ''गलवान घाटी क्षेत्र पर हमेशा चीन की संप्रभुता रही। इसने कहा, ''भारतीय सीमा पर तैनात बल अपने शब्दों पर कायम नहीं रहे और दोनों देशों के बीच बनी सहमति का गंभीर रूप से उल्लंघन किया ।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 81 लाख से पार, 4.40 लाख से अधिक की मौत

नई दिल्ली ।

विश्व में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित लोगों की संख्या 81 लाख से पार हो गई है और इस वायरस से अब तक 4.40 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है।अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक 81,34,295 लोग संक्रमित हुए हैं और 4,40,793 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के मामले में अमेरिका विश्व भर में पहले, ब्राजील दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है।भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 10,667 नये मामले दर्ज किये गये हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या 3,54,065 हो गई है। इसी अवधि में 2,003 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 11903 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 1,55,227 सक्रिय मामले हैं और अब तक 1,86,935 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। भारत संक्क्रमण के मामले में विश्व में सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में चौथे स्थान पर है।विश्व की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 21,36,208 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,16,905 लोगों की मृत्यु हो चुकी है और 576,334 मरीज इसके संक्रमण से ठीक हो गए है। ब्राजील में अब तक 9,23,189 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 45,241 लोगों की मौत हो चुकी है।रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 5,45,458 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 7,284 लोगों ने जान गंवाई है। ब्रिटेन में इस संक्रमण के कारण हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। यहां अब तक इस महामारी से 2,98,136 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 41,969 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।स्पेन में अब तक 2,44,338 लोग संक्रमित हुए है जबकि 27,136 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में भी इस महामारी ने बहुत कहर बरपाया है। यहां अब तक कोविड-19 से 2,37,500 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 34,405 लोगों की मौत हुई है।वैश्विक महामारी कोरोना के उद्गमस्थल चीन में अब तक 83,265 लोग संक्रमित हुए हैं और 4634 लोगों की मृत्यु हुई है। यूरोपीय देश फ्रांस और जर्मनी में भी इस जानलेवा विषाणु के कारण स्थिति काफी खराब है। फ्रांस में अब तक 1,94,305 लोग इससे संक्रमित हुए हैं और 29,547 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में कोरोना वायरस से 1,86,839 लोग संक्रमित हुए हैं और 8,800 लोगों की मौत हुई है।इसके अलावा पेरू में इस महामारी से अब तक 2,37,156 लोग संक्रमित हुए हैं और 7056 लोगों की मौत हुई है। वहीं तुर्की में कोरोना से अब तक 1,81,298 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 4842 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना वायरस से गंभीर रूप से प्रभावित खाड़ी देश ईरान में 1,92,439 लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 9,065 लोगों की इसके कारण मौत हुई है।मेक्सिको में 18,310 , बेल्जियम में 9663, कनाडा में 8175, नीदरलैंड में 6070, स्वीडन में 4939, इक्वाडोर में 3929, स्विट्जरलैंड में 1939, आयरलैंड में 1706 और पुर्तगाल में 1522 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा पड़ोसी देश पाकिस्तान में कोरोना वायरस से अब तक 1,48,921 लोग संक्रमित हुए हैं ।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया का चीन-रूस पर आरोप- गलत सूचनाएं देकर दोनों देश फैला रहे खौफ

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री ने कहा है कि चीन और रूस पश्चिमी लोकतंत्रों को कमजोर करने के लिए ऑनलाइन गलत जानकारी फैलाकर कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण बढ़ी चिंताओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। विदेश मंत्री मैरिस पायने ने 'ऑस्ट्रेलिया नेशनल यूनिवर्सिटी' में दिए भाषण में कहा कि जब दुनिया को सहयोग एवं समझ की आवश्यकता है, तब गलत सूचना के कारण ''भय एवं विभाजन का माहौल'' पैदा किया जा रहा है। यह भाषण मंगलवार रात पायने के कार्यालय ने जारी किया। पायने ने चिंता जताई कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को लेकर गलत सूचना का प्रसार किया जा रहा है और उसे बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''यह परेशानी की बात है कि कुछ देश अपने सत्तावादी मॉडलों को प्रोत्साहित करने के लिए उदारवादी लोकतंत्रों को कमजोर करने के मकसद से वैश्विक महामारी का इस्तेमाल कर रहे हैं।'' पायने ने यूरोपीय संघ आयोग की पिछले सप्ताह की रिपोर्ट का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि ''विदेशी तत्व और रूस एवं चीन जैसे कुछ देश'' यूरोप में ''गलत सूचना वाली मुहिम'' चला रहे हैं। उन्होंने बीमारी के उपचार के लिए ब्लीच पीने की सलाह देने और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए हाथ धोने से कोई फायदा नहीं होने जैसी खतरनाक गलत सूचना के प्रसार का हवाला दिया।

भारत-चीन झड़पः संरा प्रमुख ने जाहिर की चिंता, संयम बरतने का किया आग्रह

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सोमवार की रात गलवान घाटी में भारत-चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर चिंता जाहिर की और दोनों से अधिकतम संयम बरतने के लिए कहा है। संरा महासचिव की सहयोगी प्रवक्ता एरी कानेको ने कहा,''हम भारत और चीन के बीच एलएसी पर हिंसा और मौतों की रिपोर्ट से चिंतित हैं और दोनों पक्षों से अधिकतम संयम बरतने का आग्रह करते हैं। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सोमवार की रात गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हुए थे। सूत्रों के मुताबिक चीन को भी भारी नुकसान हुआ है उनके करीब 50 लोग मारे गए हैं।

अमेरिका ने कनाडा और मेक्सिको के साथ सीमा प्रतिबंध 21 जुलाई तक बढ़ाया

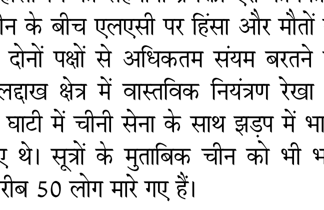

वाशिंगटन। अमेरिका ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए कनाडा और मेक्सिको के साथ सीमा प्रतिबंधों को 21 जुलाई तक बढ़ाने का फैसला किया है। गृह सुरक्षा विभाग के कार्यवाहक सचिव चाड वुल्फ ने मंगलवार को एक बयान में इसकी जानकारी दी। वुल्फ ने ट्वीट कर कहा, ''प्रतिबंध की सफलता और अतिरिक्त कोरोना हॉटस्पॉट के कारण गृह सुरक्षा विभाग ने कनाडा और मेक्सिको के साथ सीमा प्रतिबंधों को 21 जुलाई तक बढ़ाने का फैसला किया है। कनाडा और मेक्सिको के साथ सीमा प्रतिबंधों की समयसीमा क्रमशः रविवार और सोमवार को समाप्त हो गई थी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और कनाडा के बीच सभी गैर-आवश्यक यात्रा गत 20 मार्च से रुकी हुई है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी जितनी लंबी होगी, नुकसान भी उतना बड़ा होगा- जेरोम पावेल

वाशिंगटन। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल ने मंगलवार को चेताया कि अमेरिका अर्थव्यवस्था गहरे संकट में जा सकती है। उन्होंने कहा कि पुनरोद्धार के समय और उसकी मजबूती को लेकर अनिश्चितता के बीच अर्थव्यवस्था में गंभीर गिरावट की आशंका है। पावेल ने कहा कि मंदी जितनी लंबी रहेगी रोजगार बाजार और कारोबार को नुकसान भी उतना ही बड़ा होगा। अमेरिकी संसद के समक्ष बयान में पावेल ने जोर देकर कहा कि फेडरल रिजर्व अर्थव्यवस्था को कोरोना वायरस से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए सभी वित्तीय 'औजारों का इस्तेमाल करने को प्रतिबद्ध है। हालांकि, इसके साथ ही जब तक जनता को यह भरोसा नहीं हो जाता कि इस महामारी को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया है, पूर्ण पुनरोद्धार की उम्मीद नहीं है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के चेयरमैन ने चेताया कि अर्थव्यवस्था में गिरावट जितनी लंबी रहेगी, कम आय वर्ग के लोगों पर उसका असर उतना ही अधिक होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनपा उधना ज़ोन की कार्यवाही या सेटिंग्स ?

यह मनपा के किस अधिकारी ने दिया मंजूरी ? या सेटिंग्स ? यह क्या हो रहा हैं

कार्यवाही या निजी फायदामंद कार्यवाही ?

सुरत महानगर पालिका के कर्मचारियों ने गवाई मानवता

उधना विस्तार लारी लगा कर घर चला रहे परप्रांतियों पर कोरोना के बाद अब मनपा की मार

सूरत। जहां एक तरफ कोरोना वायर्स की मार से पुरा देश बेहाल है और जहां परप्राती अपने घर लोट रहे है वहीं जो परप्रांती शहर में रह कर अपने गुजर बसर करने के लिए लारी गल्ला लगा कर अपना और अपने परिवार का पेट पाल रहे है मनपा के दबाण खाता के अधिकारियों की नजर में सबसे बड़े गुनेहगार है क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता तो शहर भर में जहां सोशियल डिस्टेंश और मास्क लगाने के नियमों को सरेआम धज्जियाँ

उड़ाई जा रही है उन पर कार्यवाही करने के बजाए गरीब लोगों की लारी गल्ले जब्त कर मनपा अपनी पीठ थप थपा रही है। उसे कोरोना के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है।

राज्य के मुख्यमंत्री विजय भाई रुपाणी द्वारा बार बार कहा जा रहा है कि राज्य से परप्रांती पलायन ना करे नहीं तो बड़े बड़े कारखाने सिर्फ खंडहर बन कर रह जाएगें

लेकिन मनपा को तो अपने खजाने भरने से फुरस्त ही नहीं है वो दुसरे राज्यों से आए गरीब लोगों की लारी जब्त कर उन पर हजारों रुपये का जुरमाना लगा कर अपनी तीजोरी भरने में लगी हुई है।

कुछ अधिकारी तो कार्यवाही के नाम पर अपने जेब भरने में लगे हैं अवैध रूप से कार्य कर उसे मनपा की तिजोरी खाली कर दिया हैं अब कार्यवाही के नाम पर लोगों को परेशान कर जुर्माना वसुली कर रही हैं ?

सोशल डिस्टेसिंग पालन न करने पर दुकानदार को 5000 रुपए का जुर्माना

सूरत कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार ने सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है और ऐसा नहीं करने पर जुर्माने का प्रावधान भी किया हैद्य इसके बावजूद इसका उल्लंघन करने से लोग बाज नहीं आ रहे हैद्य सूरत में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कराने वाले दुकानदार को महानगर पालिका ने रु. 5000 का जुर्माना किया है! सूरत में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसके बावजूद दुकानदार और ग्राहक नियमों का उल्लंघन कर रहे है! सूरत के नानपुरा क्षेत्र की राधे ढोकला नामक में दुकान में सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन और बगैर मास्क पहने आनेवाले ग्राहकों को भी रोका नहीं जाता था! जबकि दुकान में ग्राहकों की ज्यादा भीड़ होती थी! बार बार चेतावनी के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने पर सूरत महानगर पालिका ने राधे ढोकला नामक दुकानदार को पांच हजार रुपए का जुर्माना किया है

ब्याजखोरों से परेशान युवक का पुलिस आयुक्त कचहरी में आत्महत्या का प्रयास

राजकोट ब्याजखोरों से परेशान युवक ने राजकोट पुलिस आयुक्त की कचहरी में फिनाइल पीकर आत्महत्या का प्रयास किया बी डिवीजन पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर दूसरे की तलाश शुरू की है

जानकारी के मुताबिक राजकोट के मोचीनगर में रहनेवाले प्रफुलगिरी गोस्वामी नामक युवक ने लेपटोप और नकद समेत रु. 1.60 लाख रुपए नवीन भरवाड और दीपक टांक से उधार लिए थेद्य रु. 1.60 देने के बाद प्रफुलगिरी से नवीन भरवाड और दीपक टांक रु. 1.90 हजार मांगने लगे

इतने रुपए नहीं देने से इंकार करने पर प्रफुल. गिरी को दोनों आरोपी मानसिक रूप से परेशान करने लगे

मानसिक यातना से तंग आकर प्रफुलगिरी पुलिस आयुक्त कचहरी पहुंच गया और वहां फिनाइल पीकर आत्महत्या का प्रयास किया

राजकोट की बी डिवीजन पुलिस ने मामला दर्ज कर दीपक टांक को गिरफ्तार कर फरार आरोपी नवीन भरवाड की तलाश शुरू की है!

रथयात्रा के आयोजन पर फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया गया : प्रदीपसिंह

अहमदाबाद ,गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने स्पष्ट किया है कि अहमदाबाद में रथयात्रा को लेकर फिलहाल कोई फैसला नहीं किया गया अहमदाबाद में जनता कर्फ्यू के बीच रथयात्रा 250 लोगों के साथ निकाले जाने की खबरों पर जाडेजा ने कहा कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए सरकार ने इस बारे में कोई फैसला नहीं किया है!

उन्होंने कहा कि अहमदाबाद शहर और रथयात्रा के रूट पर कोरोना के ज्यादा मरीज है हांलाकि सरकार के प्रयासों से इन इलाकों में कोरोना संक्रमण पर काबू पाने में सफलता मिली है! अहमदाबाद की रथयात्रा के रूट पर 24 कंटेंटमेंट जोन है और इस रूट में 1600 मरीज हैं! ऐसे में यदि रथयात्रा निकाली जाती है तो सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेंन करना मुश्किल हो जाएगा और कोरोना संक्रमण फैलने की आशंका है!

इन परिस्थितियों का अध्ययन करने के बाद सरकार ने फिलहाल रथयात्रा कोई फैसला नहीं किया है!

हांलाकि सरकार ने फिलह. ाल पुलिस और स्वास्थ्य समेत सभी विभागों से फिडबैक मांगा है! जिसके पश्चात ही सरकार रथयात्रा के आयोजन पर कोई फैसला करेगीद्य गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा के इस बयान के बाद रथयात्रा निकलेगी या नहीं,

इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई बता दें कि कई दिनों से चर्चा थी कि कोरोना संक्रमण के चलते इस वर्ष भगवान जगन्नाथजी की ऐतिहासिक रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल नही होंगे! रथयात्रा में केवल तीन रथों को छोड़ अखाडे, ट्रक, भजन मंडलियां शामिल नहीं होंगी

सुबह 7 बजे जमालपुर स्थित मंदिर से प्रस्थान कर दोपहर तक रथयात्रा मंदिर लौट आएगी! लेकिन प्रदीपसिंह जाडेजा के बयान के बाद 143वीं रथयात्रा को लेकर इसके आयोजन पर संशय बढ़ गया है

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)